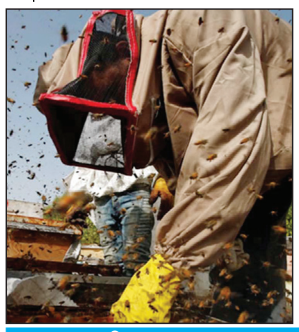

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों का हमला | सम्पादकीय भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान शिक्षा | बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाऊंगा : अनिल अंबानी 5

वर्ष 23 ● अंक 295 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | मुरैना, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com, hindustanexpresshe@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

डिजिटल कंटेंट पर भी ऑथेंटिसिटी लेबल होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके : पीएम मोदी

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया।

पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके।

वहीं, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भारत को 'इंटेलिजेंस युग' में ले जाने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश का बड़ा एलान किया है।

समिट को आज नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के अलावा गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और ओपन एआई

के सैम ऑल्टमैन जैसे लीडर्स ने संबोधित किया।

16 फरवरी से शुरू समिट 20 फरवरी तक चलेगी। इसमें आज 110 से ज्यादा देश, 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख और करीब 100 सीईओ और फाउंडर्स शामिल हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई में भय नहीं 'भाग्य' और भविष्यः पीएम ने स्पष्ट किया कि दुनिया के कई देशों में जहां एआई को लेकर भय का माहौल है, वहीं भारत इसे अपने 'भाग्य' और उज्ज्वल भविष्य के रूप में देख रहा है। भारत इसे अपनी विकास यात्रा का अगला बड़ा टर्निंग पॉइंट मानता है।

दी ने एआई के लिए एक नया ग्लोबल फ्रेमवर्क दिया। उन्होंने कहा कि एआई मोरल (नैतिक), अकांउटेबिल (जवाबदेह), नेशनल सोवरगिंटी (संप्रभुता), एक्सेसबिल (सुलभ) और वेलिड (वैध) होना चाहिए, ताकि यह केवल डेटा पॉइंट न बनकर मानवता के कल्याण का जरिया बने।कंटेंट पर 'ऑथेंटिसिटी लेबल' की जरूरतः पीएम ने सुझाव दिया कि जैसे खाने के सामान पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी स्पष्ट लेबल होना चाहिए। इससे लोगों को पता चल सकेगा कि क्या असली है और क्या एआई द्वारा बनाया गया (फैब्रिकेटेड) है।

4.ढ्ढ को 'ओपन सोर्स' बनाएंः भारत ने दुनिया की 'कॉन्फिडेंशियल' सोच से अलग हटकर,ढ्ढ कोड को 'ओपन शेयर' करने की बात कही। पीएम का मानना है कि जब तकनीक सबके लिए खुली होगी, तभी दुनिया भर के युवा दिमाग उसे बेहतर और सुरक्षित बना पाएंगे।

अगर सरकार लोगों को फ्री खाना देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देती रहेगी तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो काम करने की आदत खत्म हो जाएगी। सरकार को रोजगार देने पर फोकस करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर

सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं। आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं? अचानक चुनाव के आस-पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा? हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें, जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है?

आप भगवान से प्रेम करो ये आस्था, भगवान आपसे प्रेम करें ये भक्तिः पं धीरेंद्र शास्त्री

नवग्रह प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के नौवें दिन दिव्य दरबार में रोते हुए आए पीड़ित, हंसते हुए गए

आज प्राण प्रतिष्ठा के साथ होगा महोत्सव का समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

डबरा, ग्वालियर। नवग्रह प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का नवां दिन गुरूवार को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमानजी का दिव्य दरबार लगाया, जिसमें पीड़ित रोते हुए आए और हनुमानजी की कृपा से हंसते हुए गए। इस दौरान प्रेतबाधा से पीड़ित लोगों को बजरंगबली के बल से बाधामुक्त किया गया। हनुमंत कथा के विश्राम दिवस पर पं धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि आप भगवान से प्रेम करो ये आस्था है,लेकिन भगवान आपसे प्रेम करे, ये भक्ति है। जो सच्चे मन से भगवान को भजता है, उसे ये दुर्लभ भक्ति प्राप्त हो जाती है। विश्राम दिवस की कथा में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अरविंद मेनन, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, विधायक संजय पाठक प्रमुख रूप से शामिल हुए।

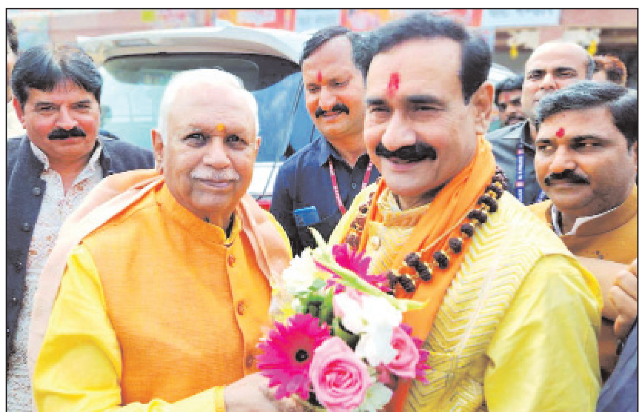

उन्होंने हजारों लोगों से भरे कथा पांडाल में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल जो कुछ नहीं कर पाता, वो बाबा बन जाता है। भगवा धारण कर और रुद्राक्ष पहनकर बाबा बनना तो सरल है,लेकिन ईश्वर के भजन में खुद को तल्लीन कर बाबा हो जाना कठिन हैं। हनुमानजी से प्रेम करना सरल है,लेकिन हनुमानजी जी आपसे प्रेम करे ये कठिन हैं,ये तभी होता है जब बजरंगबली की कृपा पर किसी प्रकार का संशय नहीं होता। जिस प्रकार बजरंगबली ने श्रीराम की भक्ति बिना किसी संशय के की, वैसे ही आप बजरंगबली से बिना किसी संशय के प्रेम करेंगे तो उनकी भक्ति के बल से आप श्रीराम तक जरूर पहुंच जाएंगे।

गति और मति ठीक रखो, तो जरूर होगी प्रगति

बागेश्वर महाराज ने कहा कि संसार के जजों को न्यायाधीश कहते हैं। बागेश्वर हनुमानजी को भी जज कहते हैं। संसार के न्यायधीश भूल कर सकते हैं,लेकिन द्वारिकाधीश कभी भूल नहीं करते हैं।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने किया अभूतपूर्व कार्य

उन्होंने कहा कि अफसरों को कलम फंसने का डर सताता है और नेताओं को **शेष पृष्ठ 4 पर...**

क्लाइमेट चेंज से निपटने में लीडर बन रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

म.प्र. और इन्वेस्टर्स मिलकर देश को बढ़ाएंगे आगे

24 घंटे बिजली देने में मध्यप्रदेश सबसे आगे

मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा विकास के लिए सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के साथ हुआ एमओयू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई क्लाइमेट वीक-2026 में की सहभागिता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्लाइमेट चेंज एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। क्लाइमेट चेंज मानव अस्तित्व, आर्थिक स्थिरता और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास की राह में हम पर्यावरण की अनदेखी नहीं कर सकते। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना ही प्रगति का मूल आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि क्लाइमेट चेंज के मामले में ठोस और समयबद्ध समाधान पर काम करना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रतिबद्धताओं

में भी राज्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज से निपटने में सर्वाधिक नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादक बन लीडर की भूमिका में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी है। यहां लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मप्र में निवेश करने के इच्छुक निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने का विश्वास और सुरक्षा की गारंटी देते हुए कहा कि राज्य और निवेशक मिलकर देश को नवकरणीय ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे बिजली देने की दिशा में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के साथ हमारा रिश्ता नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम मुंबई में क्लाइमेट वीक-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग (मप्र शासन) एवं ग्रीन एनर्जी के लिए विख्यात सिकोया क्लाइमेट फाउंडेशन के बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमओयू हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान केवल एक देश, एक राज्य या एक सरकार ही नहीं कर सकती, इसके लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और जलवायु समाधान के लिए आगे बढ़ने की दिशा में मुम्बई क्लाइमेट वीक एक महत्वपूर्ण मंच है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए त्वरित और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, हरित तकनीकों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करना ही भविष्य का विकास मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित और संतुलित बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकारों के साथ ही उद्योगों, संस्थाओं और इस देश में रहने वाले हर नागरिक की भी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए 'लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट' जैसे व्यवहारिक बदलावों को अपनाने की अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरित ऊर्जा उत्पादन के जरिए क्लाइमेट चेंज से निपटने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार के नवाचारों की जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के उन अग्रणी राज्यों में से एक है, जिसने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जिसने ईवी नीति बनाई, जो क्लाइमेट चेंज की ओर कारगर कदम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 नई दिल्ली में होंगे शामिल

प्रमुख वैश्विक तकनीकी कंपनियों से करेंगे वन-टू-वन चर्चा

एआई से आर्थिक विकास और सुशासन को सशक्त करेगा मध्यप्रदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 20 फरवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 में शामिल होंगे। समिट में वे उच्च-स्तरीय पैनल से चर्चा करेंगे। इसमें राज्य स्तर पर एआई के उपयोग से आर्थिक विकास को गति देने, डिजिटल सुशासन को सशक्त बनाने और मजबूत अवसंरचना विकसित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एआई

कंप्यूटिंग, सायबर सुरक्षा संरचना, क्लाउड इको सिस्टम, जनरेटिव एआई एकीकरण और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी प्रमुख वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ वन टू वन बैठक भी करेंगे। बैठक में एडवांस्ड सेमीकंडक्टर ऐक्सीलरेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और सॉवरेन एआई मॉडलिंग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव टियर-2 शहरों से उभर रहे स्टार्ट-अप और नव प्रवर्तकों से भी मुलाकात कर उनके एआई आधारित कार्यों की जानकारी लेंगे।

समिट में मध्यप्रदेश पेवेलियन हॉल 4, प्रथम तल,बूथ संख्या 4स्न-32 और 4स्न-34 में 'एआई इनेबल्ड गवर्नेंस फॉर ऐन एम्पावर्ड भारत' थीम पर लगाया गया है। इसमें 14 एआई स्टार्ट-अप, आईआईटी इंदौर और आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन जैसे शैक्षणिक संस्थान और 4 प्रमुख शासकीय विभाग शामिल हैं। मध्यप्रदेश पेवेलियन में धरातल पर लागू किए जा चुके एआई समाधान प्रदर्शित किए जा रहे हैं। यह पेवेलियन दर्शाता है कि पारदर्शिता बढ़ाने, सेवाएं समय पर पहुंचाने और बेहतर निर्णय लेने के लिए एआई का उपयोग शासन व्यवस्था में कैसे किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, एमपीएसईडीसी के सहयोग से, इस राष्ट्रीय मंच पर राज्य की योजनाबद्ध और लक्ष्य-आधारित एआई पहलों को प्रस्तुत कर रहा है।

समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर काम करना होगा : राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने विशाखापत्तनम में बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास मिलन 2026 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को विशाखापत्तनम में बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास मिलन 2026 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा है कि भारत अंतरराष्ट्रीय कानून और नौवहन की स्वतंत्रता पर

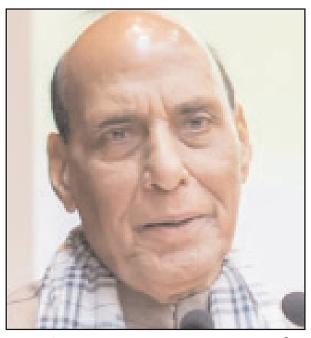

आधारित एक समतामूलक समुद्री व्यवस्था स्थापित करना चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर काम करना होगा।उन्होंने कहा, 'पारंपरिक खतरों के साथ-साथ उभरती चुनौतियां भी मौजूद हैं। समुद्री डकैती, समुद्री आतंकवाद, अवैध मछली पकड़ना, तस्करी, साइबर जोखिम और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी समस्याएं गंभीर हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं, जिससे मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों की मांग भी बढ़ी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कोई भी एक नौसेना इन चुनौतियों से अकेले नहीं निपट सकती, इसलिए सहयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए 'युनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ द सी' एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

खेत से निकली रोशनीः ग्वालियर के तरुण बने सौर ऊर्जा उद्यमी

(हितेन्द्र सिंह भदौरिया)

ग्वालियर । अगर सोच सकारात्मक और इरादे मजबूत हों तो गांव की जमीन भी बड़े बदलाव की नींव बन सकती है। ग्वालियर जिले के ग्राम मऊछ निवासी युवा तरुण सिंह राजपूत ने इसी सोच के साथ अपने खेत को सौर ऊर्जा उत्पादन केंद्र में बदलकर ग्रामीण उद्यमिता की एक प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। सोलर प्लांट के जरिए खेत से निकली सफलता की रोशनी ने तरुण को उद्यमी बना दिया है।

कंप्यूटर साइंस में एमएससी की डिग्री हासिल करने के बाद तरुण के सामने नौकरी के कई अवसर थे, लेकिन उन्होंने पारंपरिक रोजगार के बजाय स्वयं का उद्यम स्थापित करने का निर्णय लिया। इसी दौरान उन्हें अपने एक मित्र से प्रेरणा मिली, जो भोपाल में सोलर प्लांट के माध्यम से सफलतापूर्वक बिजली उत्पादन कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। इस अनुभव ने तरुण को नवीकरणीय

ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री कुसुम सोलर योजना की जानकारी मिलने पर तरुण ने सोलर प्लांट के लिए आवेदन किया। आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर अपने खेत पर 2 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित कर लिया है। यह प्लांट स्थापित करने के लिए उन्हें कुसुम सोलर योजना के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से 6 करोड़ 20 लाख रूपये की आर्थिक सहायता मिली है। उनका सोलर संयंत्र बिजली उत्पादन के लिए तैयार है।

तरुण कहते हैं सोलर प्लांट से हमें स्थायी एवं सम्मानजनक आय का स्रोत मिल गया है। उनका कहना है कि विषय विशेषज्ञों के अनुसार इस सोलर प्लांट से उत्पादित बिजली बेचकर उन्हें हर माह औसतन 1 लाख 80 हजार रुपये की आमदनी होगी। तरुण का यह नवाचार न केवल उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार बना है, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों और युवाओं के लिए भी नई दिशा दिखा रहा है। ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में गत 18 फरवरी को आयोजित हुए किसान सम्मेलन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जब तरुण सिंह राजपूत को 6 करोड़ 20 लाख रुपये की सहायता राशि का चौक सौंप कर सोलर प्लांट की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं, तो वे भावुक हो गए और कहने लगे सरकार के सहयोग से आज हम उद्यमी बन पाए हैं। अब हमारा प्रयास रहेगा कि अन्य किसान और युवा भी इस क्षेत्र में आगे आएं और आत्मनिर्भर बनें। तरुण का कहना है सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ विकल्पों को अपनाकर न केवल आय बढ़ाई जा सकती है, बल्कि देश के ऊर्जा आत्मनिर्भरता अभियान में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा की राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी का गठन

कमलकिशोर जायसवाल बने प्रदेशाध्यक्ष

श्री विष्णु मोहन जायसवाल (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)

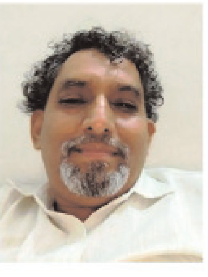
श्री कमल किशोर जायसवाल (प्रदेश अध्यक्ष)

श्री सत्यनारायण मेवाड़ा (प्रदेश महासचिव कार्यालय)

श्री हरीश चन्द्र कलाला (प्रदेश महासचिव संगठन)

श्री सुरेन्द्र मेवाड़ा (प्रदेश महासचिव प्रचार)

श्री कृष्ण कुमार जायसवाल (प्रदेश कोषाध्यक्ष)

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

जयपुर। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक शिवचरन हांडा जयपुर राजस्थान की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारयण चौकसे एवं राष्ट्रीय महासचिव एम.एल. राय द्वारा राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कमल किशोर जायसवाल जयपुर, प्रदेश महासचिव कार्यालय सत्यनारायण मेवाड़ा अजमेर, प्रदेश महासचिव संगठन हरीश चन्द्र कलाल बांसवाड़ा, प्रदेश महासचिव प्रचार सुरेन्द्र मेवाड़ा जौधपुर, प्रदेश कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल जयपुर का मनोनयन किया गया है तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर विष्णु मोहन जायसवाल राजस्थान का मनोनयन कर सभी पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारिया सौंपी गई है। महासभा द्वारा अभी तक मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरला में प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया जा चुका है। शेष प्रदेशों की कार्यकारिणी हेतु पाँच-पाँच नाम आमंत्रित किये जाते हैं, अन्य कार्यकारिणी का मनोनयन प्रदेश के अध्यक्ष एवं महासचिव द्वारा किया जाता है। इसके अंतर्गत प्रदेश के संरक्षक, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव आदि महिला अध्यक्ष, युवा अध्यक्ष आदि का मनोनयन किया जाता है। महिला इकाई का अध्यक्ष श्रीमती कंचन हाडा को पूर्व में मनोनीत किया गया है।

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने किया कार्यशाला का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नईदिल्ली। दिनांक 18 फरवरी को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में डिवाइन इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, फार्मेसी संस्थान में 'दी इम्प्लीमेंटेशन ऑफ आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम (AEBAS) फॉर फार्मेसी इंस्टीट्यूशन्स' विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सुधीर भारद्वाज ने कार्यशाला में पधारे सभी विशिष्ट अतिथियों एवं विभिन्न संस्थानों से आए प्राचार्यों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ शैक्षणिक गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं संस्थागत अनुशासन को सुदृढ़ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जसु भाई चौधरी, उपाध्यक्ष, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने अपने संबोधन में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने AEBAS प्रणाली की आवश्यकता एवं उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रणाली संस्थानों में पारदर्शी उपस्थिति प्रबंधन सुनिश्चित करेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. संजय जैन, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद ने अपने उद्बोधन में बताया कि परिषद द्वारा प्रत्येक फार्मासिस्ट के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल एवं ऑनलाइन बना दिया गया है। अब प्रत्येक फार्मासिस्ट सहज रूप से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मध्य प्रदेश के फार्मासिस्टों के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, जिनमें आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में 2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की योजना प्रमुख है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. नीरज उपमन्यु,सदस्य, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, प्रोवाइस चांसलर, सेजे विश्वविद्यालय, भोपाल ने पीसीआई पोर्टल एवं AEBAS प्रणाली के तकनीकी क्रियान्वयन में हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि रतनलाल गर्ग, सदस्य, मध्य प्रदेश राज्य फार्मेसी परिषद, भोपाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु डिवाइन संस्थान को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से पधारे आईटी विशेषज्ञ आशुतोष ने AEBAS प्रणाली की तकनीकी संरचना, कार्यप्रणाली एवं उसके क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम की प्रक्रिया, पोर्टल इंटीग्रेशन एवं संस्थानों में इसके प्रभावी उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया तथा उपस्थित प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में डॉ. विवेक भदौरिया, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. प्रताप सिंह जादौन, डॉ. राजेश सिंह जादौन विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन डॉ. प्रियंवदा शर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला में उपस्थित सभी प्राचार्यों एवं प्रतिभागियों ने AEBAS प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देशों को गंभीरता से समझा और इसे सफलतापूर्वक लागू करने का संकल्प लिया। अंत में सभी अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा संस्थान परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया गया। इसी के साथ कार्यशाला का समापन गरिमामय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

आध्यात्मिक समृद्धि का मार्ग है संत समागम, खोलता है मोक्ष का द्वार

-शिवपुरी पधारे राष्ट्र संत सौरभ मुनि और युवा प्रेरक विज्ञान मुनि

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

शिवपुरी। सूरत गुजरात से चातुर्मास संपन्न कर शिवपुरी पधारे श्रमण संघ गौरव राष्ट्रसंत श्री सौरभ मुनि जी और युवा प्रेरक श्री विज्ञान मुनि जी ने आज पोषद भवन में एक धर्मसभा को संबोधित करते हुए बताया कि जीवन में पुण्यों से संत समागम का लाभ मिलता है जिससे जीवन में आध्यात्मिक समृद्धि आती है और मोक्ष का द्वार खुलता है। जैन संत सौरभ मुनि जी ने जैन आगम नंदी सूत्र के भावों की अत्यंत ही सुन्दर और सारगर्भित व्याख्या करते हुए जीवन में ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। पोषद भवन ओसवाल गली में प्रवचन प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से 10:30 बजे तक चल रहे हैं।

संत सौरभ मुनि जी ने बताया कि जैन नंदी सूत्र जैन धर्म का एक अत्यंत प्राचीन ग्रंथ है। जिसे पढना शुभ माना जाता है और इससे हमें ज्ञान की प्राप्ति होती है। ज्ञान से हमें बोध होता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। उन्होंने बताया कि भगवान महावीर के अनुसार ज्ञान के पांच प्रकार होते हैं जिन्हें मति, श्रुति, अवधि, मन पार्याय और केवल्य ज्ञान के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह ज्ञान हमें शास्त्रों और संतों के संत्संग से प्राप्त होता है। जिससे मन को शांति मिलती है और जीवन को सही मार्ग दर्शन और अहंकार का नाश होता है। संत समागम उस ज्ञान में व्यवहार में उतारने के लिए व्यवहारिक और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि ज्ञान साधक के मन को शुद्ध करता है और अज्ञान पर विजय प्राप्त कर मोक्ष के मार्ग को प्रशस्त करता है। उन्होंने व्याख्या करते हुए कहा कि हमारा शरीर जड़ है जबकि आत्मा चेतन्य है। जीवन में आध्यत्मिक मार्ग पर चलने हेतु शरीर और मन पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है।

मुंबई में चमका बहराइच का सितारा: शौर्य गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाया प्रथम स्थान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुंबई/बहराइच। प्रतिभा जब परिश्रम से संवरती है तो उपलब्धियाँ इतिहास बन जाती हैं। उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद के मेधावी युवा शौर्य गुप्ता ने इसी सत्य को साकार करते हुए मुंबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन 'Advances in Polymers & Coatings Rangotsav 2026' में Industry Defined Problem Competition में प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल अपने संस्थान बल्कि पूरे जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर दिया। इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (ICT), मुंबई के पॉलिमर एवं सरफेस इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 17 व 18 फरवरी 2026 को आयोजित इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, लेकिन शौर्य की प्रतिभा, शोध दृष्टिकोण और तकनीकी दक्षता ने उन्हें विजेता के रूप में स्थापित कर दिया। सम्मेलन में प्रतिभागियों को उद्योग से जुड़े वास्तविक समस्यात्मक विषय दिए गए थे, जिन पर उन्हें वैज्ञानिक विश्लेषण, नवाचारपूर्ण सोच और व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करना था।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रतियोगिता केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि शोध-दृष्टि, विश्लेषण क्षमता, प्रस्तुतीकरण कौशल और औद्योगिक समझ की भी कठोर परीक्षा होती है। ऐसे चुनौतीपूर्ण मंच पर प्रथम स्थान प्राप्त करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. डॉ. ए. एस. सबनिस और सह-संयोजक प्रो. डॉ. आर. एन. जगताप ने शौर्य गुप्ता को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया तथा उनके कार्य की सराहना करते हुए कहा कि युवा वैज्ञानिकों में इस तरह की क्षमता भारत के शोध-भविष्य को नई दिशा देगी। सम्मेलन में उपस्थित विशेषज्ञों ने भी उनके समाधान को व्यावहारिक, अभिनव और उद्योग के लिए उपयोगी बताते हुए सराहा।

शौर्य गुप्ता मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद के निवासी हैं। उनकी माता पेशे से शिक्षिका हैं और पिता व्यवसाय से जुड़े हैं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का वातावरण शुरू से ही उन्हें प्रेरित करता रहा, जिसका परिणाम आज राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे रहा है। परिजनों ने बताया कि शौर्य बचपन से ही विज्ञान और प्रयोगों के प्रति उत्सुक रहे हैं और पढ़ाई के साथ शोध गतिविधियों में भी हमेशा आगे रहे। उनकी इस उपलब्धि की सूचना जैसे ही बहराइच पहुंची, जिले में खुशी और गर्व का माहौल बन गया। शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटे शहरों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल करना अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में इस तरह की उपलब्धियां देश की बौद्धिक क्षमता का प्रमाण हैं। शौर्य की सफलता यह संदेश देती है कि समर्पण, मेहनत और सही मार्गदर्शन मिल जाए तो सीमित संसाधन भी प्रतिभा की उड़ान को रोक नहीं सकते।

जिले के शिक्षकों और बुद्धिजीवियों ने आशा जताई कि शौर्य गुप्ता भविष्य में शोध और नवाचार के क्षेत्र में और बड़ी उपलब्धियां हासिल कर देश का नाम रोशन करेंगे। वहीं युवाओं के बीच वे प्रेरणा-पुरुष के रूप में उभर रहे हैं, जिनकी सफलता यह बताती है कि सपने बड़े हों और इरादे मजबूत, तो मंजिल खुद कदम चूमती है।

एकता प्रशिक्षण केन्द्र का हुआ शुभारंभ

युवाओं को मिलेगा कौशल विकास का मौका

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

खुरई। एकता परिषद के सहयोग से हुनर मंद युवाओं के माध्यम से बेरोजगार युवाओं, महिलाओं को रोजगार सृजन करने,कि दृष्टि से प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन मुंबई से आये समाजसेवी यतीश मेहता जी,वा एकता परिषद के राष्ट्रीय महासचिव अनीस भाई द्वारा किया गया

इस अवसर प्रशिक्षक देवेन्द्र कुमार जी द्वारा बेरोजगार युवाओं को ए.सी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, फिल्टर वाटर आदि रिपेयरिंग करने का प्रशिक्षित कर युवाओं को हुनरमंद बनाया जाएगा, वहीं धागों और मोती के माध्यम से घरों की सौ सज्जा करने के तोरण, गुलदस्ता आदि आयटम बनाने का कार्य प्रशिक्षक काजल द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है,वही शिक्षित महिला जानकि बाई, वा युवा साथी दिनेश गोतम द्वारा पांचवीं कक्षा तक बच्चों को निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। इस प्रकार साल दर साल कौशल विकास व शिक्षा के कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। अवसर पर आज़ाद बहुदेशीय डॉ. भीमराव विकास समिति के अध्यक्ष खिलान भाई, एकता परिषद के सम्भागीय समन्वयक दीपक भाई के परस्पर सहयोग से यह प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया जा रहा है। इस अवसर समाजसेवी गोपाल भाई, रजनी बहिन आदि संस्था पदाधिकारी समाजसेवी, ग्रामीण, महिला पुरुष उपस्थित रहे।

भिण्ड जिले में संगठनत्मक ढांचे को मजबूत बनाकर सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने का कार्य करें: पटेल

- प्रभारी मंत्री श्री पटेल से पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, संगठन प्रभारी हमीर सिंह पटेल, विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने संगठनत्मक विषयों पर महत्वपूर्ण बैठक के साथ अपने सुझाव प्रस्तुत किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। मध्य प्रदेश सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के निवास स्थान भोपाल में भारतीय जनता पार्टी कि संगठनत्मक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। और उन्होंने पार्टी नेताओं और पदाधिकारी जन प्रतिनिधियों से संगठनत्मक विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए पार्टी के कार्यक्रमों को लक्ष्य लेकर कार्य करें। इस अवसर पर जिला प्रभारी प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि संगठन हमारे लिए सर्वोपरि है, इसलिए हम सब

मिलजुल कर प्रत्येक बूथ पर संगठन को आगे बढ़ाएं और आगामी कार्यक्रमों, हर समाज तक पहुंचाएं और उन्होंने कहा केंद्र और राज्य सरकार की विकास जनकल्याणी योजनाओं को भी हर व्यक्ति तक पहुंच कर उन्हें लाभ दिलाने का कार्य करें यह हम सबके लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने जिले के प्रभारी मंत्री पटेल जी के समक्ष संगठन की महत्वपूर्ण गतिविधियों को प्रस्तुत किया। जिला संगठन प्रभारी हमीर सिंह पटेल ने जिले के संगठन एवं महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभारी मंत्री का ध्यान आकर्षित कराया। विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने जिले के ही प्रभारी मंत्री के समक्ष भिंड विधानसभा क्षेत्र के विकास की योजनाओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की जिसमें मेडिकल कॉलेज गौरी सरोवर नगर पालिका से बनने वाले नगर निगम एवं किसानों तथा ग्राम पंचायत के विकास पर महत्वपूर्ण चर्चा की। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया जिला संगठन प्रभारी हमीर सिंह पटेल विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह विशेष रूप से मौजूद थे।

एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर में उन्नत बहु-मापदंड निर्णय-निर्धारण पर पाँच दिवसीय एफडीपी सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी-भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (एबीवी-आईआईआईटीएम), ग्वालियर के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा 'एडवांस्ड मल्टी-क्राइटेरिया डिसीजन-मेकिंगः फज़ी एवं ग्रे तकनीकें प्रबंधन अनुसंधान में (AMCDM-FGTMR)' विषय पर 13 से 17 फरवरी 2026 तक पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया।

यह कार्यक्रम प्रबंधन अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनोज कुमार दाश तथा सह-संयोजक डॉ. चेतन्य सिंह थे। देशभर के विभिन्न संस्थानों से आए संकाय सदस्यों, शोधार्थियों एवं उद्योग विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान बहु-मापदंड निर्णय-निर्धारण (एमसीडीएम) की विभिन्न उन्नत तकनीकों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए। सत्रों में शोध समस्या निर्माण, आईएसएम, बीडब्ल्यूएम, एएचपी, डेमाटेल, फज़ी अप्रोच, प्रोमेथी, इलेक्ट्रे, टॉपसिस, ग्रे डेमाटेल, डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस (डीईए), ग्रे सिस्टम्स थ्योरी, जीआईएनए तथा फज़ी एएचपी जैसे विषय शामिल रहे।

प्रतिभागियों ने व्यावहारिक अभ्यास, केस अध्ययन और संवादात्मक चर्चाओं के माध्यम से प्रबंधन अनुसंधान एवं वास्तविक समस्याओं के समाधान में इन तकनीकों के उपयोग की गहन समझ विकसित की।

समापन सत्र में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की उपयोगिता और व्यावहारिक दृष्टिकोण की सराहना की। सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

यह पहल संस्थान के निदेशक प्रो. एस. एन. सिंह के नेतृत्व में एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं अनुसंधान क्षमता संवर्धन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह जानकारी संस्थान की मीडिया प्रभारी श्रीमती दीपा सिंह सिसोदिया के द्वारा दी गई।

विद्युत विभाग ने बकायादारों से वसूली 5 लाख 40 हजार की राशि

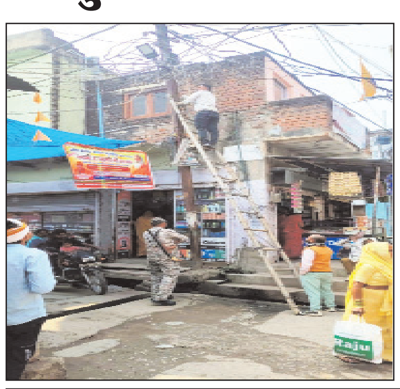

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों विनोद कटारे सहित अन्य के निर्देशों का पालन करते हुए सहायक यंत्री पी.एस. यादव, कनिष्ठ यंत्री मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में वसूली अभियान जारी रहा। 19 फरवरी को विद्युत विभाग की वसूली टीम के मनोज कुमार जाटव, ब्रजमोहन धाकड़, भारत मीना, रजत शर्मा, अमरकांत शर्मा, हरिओम कुशवाहा, ऋषिकेश कुशवाहा, घनश्याम सिकरवार सहित अन्य कर्मचारियों ने एमएस रोड सदर बाजार तहसील चौराहा, पुराना जौरा, पचबीघा, पगारा रोड सहित अन्य गली-मोहल्ले में जिन विद्युत उपभोक्ताओं पर कई माह से बकाया राशि वसूली थी। ऐसे लगभग चार दर्जन से अधिक बकायादार उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेद की कार्यवाही की गई। बकायादार उपभोक्ताओं से शाम तक वसूली टीम को 5,40,000 रुपये की वसूली भी प्राप्त हुई। विद्युत अधिकारियों का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों एवं शासन निर्देश के पालन में 28 फरवरी तक समाधान योजना का द्वितीय चरण लागू है। अतः 28 फरवरी से पहले पहले बकायादार उपभोक्ता उक्त समाधान योजना का लाभ लेते हुए बकाया राशि को जमा कर विभाग को सहयोग करें।

भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा से किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया ने मुलाकात की

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। मध्यप्रदेश भाजपा किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा जी से भिंड भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया ने प्रदेश भाजपा कार्यालय भोपाल में पहुंचकर मुलाकात की और उन्होंने किसान मोर्चा संगठनत्मक विषय पर चर्चाएं की। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष जयपुरिया ने किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा से मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट में प्रदेश के किसानों के लिए अनेक योजनाएं और उनके लिए महत्वपूर्ण बजट तथा किसान हितैषी बजट के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया उन्होंने किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री चावड़ा को कहा कि मध्यप्रदेश बजट 2026-27 प्रदेश के हर वर्ग;श्रमिक, किसान,ग्रामीण परिवार और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का

स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है।गरीब कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए श्रम विभाग हेतु ?1336 करोड़, गाँव से शहर तक विकास की नई ऊर्जा के लिए ग्रामीण विकास विभाग को ?29663 करोड़, तथा कृषि-उद्योग-सेवा क्षेत्र में संतुलित प्रगति सुनिश्चित करने हेतु पंचायत विभाग को ?10440 करोड़ का प्रावधान,जनहित के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण 4,38,317 करोड़ का बजट पेश, किसानों के लिए जनहितैषी बजट है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों के सशक्तिकरण के लिए किसान कल्याण वर्ष बना रही हैं। किसानों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि और मुख्यमंत्री सम्मान निधि के प्रति वर्ष?12000 दिए जा रहे हैं किसानों को लाख सोलर पंप दिए जाएंगे।वीबीजी रामजी योजना के लिए 100428 करोड़ का प्रावधान किया गया है जिस गांव के विकास का निर्णय अब पंचायत स्तर पर पारदर्शिता के साथ हो सकेगा किसने की खुशहाली बढ़ाने के लिए इस सिंचाई के रकबे में लगातार वृद्धि की जा रही है नदी जोड़ परियोजना से बुंदेलखंड चंबल मालवांचल के हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचने का कार्य किया जा रहा है प्रदेश भर में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं से सिंचाई का रखबा 55 लाख हेक्टर से बढ़कर 1 हेक्टर तक पहुंचाया जाएगा मध्य प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक सदस्य करण के लिए वर्ष 2026 को किसान कल्याण दिवस बना रही है।

कक्षा 5 व 8वीं की बोर्ड परीक्षायें आज से

- दोपहर की पाली में होगी परीक्षा
- जिले में 288 परीक्षा केन्द्र, 64 हजार बच्चे होंगे सम्मिलित

ग्वालियर। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रदेशभर में एक साथ बोर्ड के पैटर्न पर शुक्रवार से कक्षा 5 व 8वीं की वार्षिक परीक्षायें शुरू की जा रही है। यह परीक्षायें दोपहर की पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक आयोजित की जायेंगी। जिले से कुल 64 हजार परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। जिसमें कक्षा 5वीं के लगभग 34 हजार और 8वीं के 29 हजार 549 बच्चे शामिल हैं। छात्र संख्या में ध्यान में रखकर जिले में 288 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। साथ ही परीक्षा भी पूरी पारदर्शिता के साथ हो सके इसका भी पूरा ध्यान रखा है। औचक निरीक्षण के लिये कुल 12 उड़नदस्ते दल गठित किये गये है। जो शहर के साथ साथ डबरा, भितरवार, घाटीगांव, मुरार आर मुरार ग्रामीण के परीक्षा केन्द्रों में पहुंचकर वास्तविक स्थिति का जायजा लेगा।

जिला शिक्षा केन्द्र एपीसी एवं परीक्षा प्रभारी विजय शर्मा ने बताया कि परीक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। गोपनीय सामग्री को जन शिक्षा केन्द्रों से सुरक्षित पहुंचाया गया है। परीक्षा से आधे घंटे पूर्व गोपनीय सामग्री को परीक्षा केन्द्रों में पहुंचाया जायेगा। कुल 288 परीक्षा केन्द्रों बनाये गये है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर बच्चों को कोई समस्या न हो। पानी, बिजली, हवा आदि का भी विशेष ध्यान रखकर चाकचौबंद व्यवस्था की गई है। उड़नदस्ता दल हेतु डाइट, जिला शिक्षा केन्द्र, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और सभी बीआरसीसी दल भी शामिल रहेंगे।

छात्रों को परीक्षा केन्द्र में आधा घंटा पहले पहुंचना होगा

जिला शिक्षा केन्द्र के अनुसार छात्रों को परीक्षा केन्द्र पर कम से कम आधा घंटा पहले पहुंचना होगा। एडमिट कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों का पालन करना होगा। परीक्षा का समय ढाई घंटे निर्धारित है।

इनका कहना है

कक्षा 5 और 8वीं के पंजीकृत 64 हजार परीक्षार्थी इस बोर्ड पैटर्न की वार्षिक परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। सभी केन्द्रों में आदर्श व्यवस्थायें पूरी कर ली गई है। गोपनीय सामग्री जिले के सभी 55 जन शिक्षा केन्द्रों में पहुंचा दी गई है।

रविन्द्र सिंह तोमर
जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र ग्वालियर

10वीं के 24 हजार 151 छात्रों ने संस्कृत की दी गई परीक्षा

ग्वालियर। परीक्षा कंट्रोल रूम के अनुसार गुरूवार को जिले में कक्षा 10वीं में 24 हजार 151 परीक्षार्थियों ने संस्कृत विषय की परीक्षा दी। परीक्षा के लिये 24 हजार 786 विद्यार्थी पंजीकृत है। जबकि 24 हजार 151 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हो सकें। यह परीक्षा जिले के 91 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित हुई। उल्लेखनीय है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा बीती 13 फरवरी से प्रदेशभर में कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षायें आयोजित हो रही है। उर्दू, एनएस क्यूएफ अंग्रेजी सहित संस्कृत चौथा पेपर था। शुक्रवार 20 फरवरी को भी सहायक भाषा व मूकबधिर एवं दृष्टिहीन छात्रों का पेपर होगा। जबकि मुख्य परीक्षा 24 को होगी। मंगलवार को गणित का पेपर होगा।

शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा महान गुण था नारी सम्मानः आईजी सक्सेना

- छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हुए निकाली वाहन रैली

ग्वालियर। छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में समस्त मराठा एवं हिंदू समाज द्वारा महाराज बाड़े से एक भव्य वाहन रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को ग्वालियर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, रोटरी गवर्नर डॉ प्रदीप पाराशर, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने हरी झंडी दिखाकर महाराज बाड़े से रवाना किया।

कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना ने संबोधित करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा महान गुण था नारी सम्मान युद्ध में जीती गई स्त्रियों को वह सम्मान पूर्वक उनके घर भेजते थे। उनके लिए नारी शक्ति पूजा का स्वरूप थी। रोटरी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. प्रदीप पाराशर ने कहा कि शिवाजी महाराज का नेतृत्व दर से नहीं प्रेरणा

से चला था उनके सैनिक उन्हें राजा नहीं अपना मार्गदर्शक मानते थे यही कारण था उनके अनुयाई उनके लिए प्राण देने को तैयार रहते थे। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने कहा कि जब भारत पर विदेशी आक्रांताओं का प्रभाव बढ़ रहा था तब शिवाजी महाराज ने कभी किसी के सामने सर नहीं झुकाया। उन्होंने हिंदवी स्वराज की स्थापना कर सिद्ध किया कि स्वतंत्रता किसी दान में नहीं मिलती उसे साहस और बलिदान से प्राप्त किया जाता है।

महाराज बड़ी से रैली शुरू होकर पारंपरिक परिधान में मराठा समाज की महिला एवं पुरुषों ने साफा बांधकर विभिन्न मार्गो से होते हुए शिवाजी उद्यान स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर पहुंच कर माल्यार्पण किया। रैली में महिलाओं द्वारा पारंपरिक सांस्कृतिक वेशभूषा और साफा लगाकर नृत्य भी किया। युवाओं द्वारा टू व्हीलर और फोर व्हीलर की केसरिया झंडा लगाकर रैली का संचालन किया। शहर के प्रमुख मार्गों में समाजसेवियों द्वारा शिवाजी महाराज के चल समारोह का फूल मालाओं से स्वागत किया। रैली महाराज बाड़े से सराफा बाजार, गस्त का ताजिया, ऊंटपुल, जयेन्द्रगंज, चेतकपुरी, सिटी सेंटर होते हुए शिवाजी उद्यान सिटी सेंटर पहुंची। रैली में बड़ी संख्या में महिला व पुरुष सैकड़ों वाहनों पर सवार होकर जय शिवाजी जय भवानी के नारों के साथ जय घोष कर रहे थे।

इस अवसर पर मराठा बोर्डिंग के पूर्व अध्यक्ष संग्राम कदम, बाल खांडे, बलराज शिंदे, पार्षद मोहित जाट उपस्थित थे। इस रैली के संयोजक गगन जाधव, रोहित तांबे, रवि गरुड़, चेतन मोरे, जय कदम, दिगंबर चौहान, आनंद सावंत, वंदना कदम, सुनंदा परांडे, सूरज राजपूत आदि समाज बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शिवाजी महाराज ने देश को सांस्कृतिक आक्रमणों से बचायाः शर्मा

ग्वालियर। छत्रपति शिवाजी महाराज ने तत्कालीन समय में देश को विदेशी आक्रमणों के साथ साथ सांस्कृतिक आक्रमणों से भी सुरक्षित रखा। तत्कालीन समय में देश पर मुगलों का सब ओर से हमला हो रहा था। उनसे अपनी विशिष्ट छापामार शैली में लड़ते हुये शिवाजी महाराज और उनकी सेना ने देश की सीमाओं को सुरक्षित

रखा। वहीं समाज को भी सांस्कृतिक प्रदूषण से बचाने में अग्रणी भूमिका निभाई। इसके चलते उनको पूरे देश में देवता की तरह पूजा जाता है। यह विचार आईआईटीटीएम के निदेशक डा. आलोक शर्मा ने मानस भवन में शिवाजी महाराज जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कही।

छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा समिति के अध्यक्ष अभय पापरीकर ने रखी। वहीं सचिव महेश मुदगल ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में एएसपी सुमन गुर्जर भी मौजूद रही। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने शिवाजी महाराज पर आधारित नाटय अभिनय का मंचन किया। बच्चों ने बेहद जोश व उत्साह के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन को नाटक के रूप में जीवंत मंचन किया। इससे पूर्व शहर में अनेक संगठनों ने सम्मिलित रूप से चल समारोह भी निकाला। जिसका अनेक स्थानों पर स्वागत किया गया। इसका समापन मराठा बोर्डिंग पर हुआ। इसमे छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से संबंधित प्रदर्शनी का बच्चों ने झांकी भी निकाली।

शिवाजी महाराज की जयंती पर चल समारोह निकला

गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मराठा समाज ने भव्य चल समारोह और वाहन रैली का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। चल समारोह शहर के महाराज बाड़ा से शुरू हुआ। यह सराफा बाजार, पाटनकर चौराहा, राम मंदिर, ऊट पुल, हाईकोर्ट होते हुए जयेंद्रगंज स्थित मराठा बोर्डिंग पर समाप्त हुआ। सिटी सेंटर स्थित छतरी पर माल्यार्पण किया गया। वाहन रैली सिटी सेंटर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की छतरी पर संपन्न हुई। यहां शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और जय शिवाजी, जय भवानी के नारे लगाए गए। जयंती के अवसर पर भारत रक्षा मंच ने सिटी सेंटर स्थित शिवाजी पार्क, आरोग्यधाम हॉस्पिटल में व्याख्यान माला आयोजित की। कार्यक्रम की शुरुआत शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। मराठा समाज और चल समारोह कमेटी के सदस्य गगन जादव ने बताया कि चल समारोह और वाहन रैली का उद्देश्य समाज के लोगों को एकजुट करना था। उन्होंने कहा कि चल समारोह महाराज बाड़ा से शुरू होकर मराठा बोर्डिंग पर पहुंचकर समाप्त हुआ।

संगठित हिंदू समाज ही पूरे विश्व को दिशा दे सकता है: डॉ. कृष्ण गोपाल

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुखजन गोष्ठी आयोजित

ग्वालियर। एकत्व की भावना ही हिंदुत्व है। सर्वत्र ईश्वर का दर्शन ही सनातन भारत का दर्शन है। हिंदू सर्वे भवंतु सुखिनरू की कामना करता है,

जबकि अन्य देश सिर्फ अपनी ही भलाई चाहते हैं। इसलिए संगठित हिंदू समाज ही पूरे विश्व को दिशा दे सकता है। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने बुधवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित प्रमुखजन गोष्ठी में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी भी मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता डॉ. कृष्ण गोपाल ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी संगठन के लिए शताब्दी वर्ष महत्वपूर्ण बात है। आज संघ की समाज में स्वीकार्यता बढ़ी है, लेकिन संगठन को सभी लोग निकटता और गहराई से समझें इसलिए शताब्दी वर्ष में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संघ की व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की कार्य कार्यप्रणाली पर आज जर्मनी, रूस सहित 50 देश शोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीनकाल से ही विश्व का समृद्ध देश रहा है, जो दुनियाभर में ज्ञान के अलावा वस्तुओं का निर्यात करता था। इसका उल्लेख विदेशी लेखकों ने भी किया है। फिर भी हमारे देश को पराधीन होना पड़ा। इस बात पर चिंतन करते हुए डॉ.केशव बलिराम हेडगेवार इस निष्कर्ष पर पहुंचे समाज के बिखराव के कारण ही आक्रांताओं ने हम पर शासन किया था। उन्होंने कहा कि धर्म केवल रिलीजन नहीं, यह कर्तव्य है। इसलिए लोगों को माता-पिता सहित समाज और राष्ट्र के प्रति भी अपने कर्तव्य का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रस्तावना संघ के ग्वालियर विभाग कार्यवाह निरुपम नेवासकर ने रखी। एकल गीत हिमांशु गौड़ ने प्रस्तुत किया। संचालन अभिभाषक रविंद्र दीक्षित एवं आभार सह कार्यवाह मुनेंद्र कुशवाह ने किया।

पश्चिमी उपभोक्तावादी सुनामी से बचें

सह सरकार्यवाह ने रतन टाटा, बिडला, पूर्व राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, अब्दुल कलाम आजाद के प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए कहा कि हमें आज पश्चिमी उपभोक्तावादी सुनामी से बचना चाहिए। लोग वाहन, मोबाइल, कपड़े सहित अन्य सामान को जल्दी-जल्दी बदल रहे हैं। पेट्रोल-डीजल, कोयला की खपत और पेड़ों के अंधाधुंध काटने से वातावरण दूषित हो रहा है। इससे ओजोन परत में भी छेद हो गया है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। प्रकृति के दोहन से दुनिया भयंकर आपदा की चपेट में आ रही है। इससे बचने का एकमात्र उपाय भारतीय दर्शन ही है।

जेसीबी चालक ने स्कूटर में मारी टक्कर, युवक घायल

ग्वालियर। अपनी मां के साथ आ रहे ओला स्कूटर चालक को जेसीबी चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में ओला स्कूटर चालक और उसकी मां घायल हो गये। हजीरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तानसेन चौराहे के पास सीवर लाइन का कार्य चल रहा है। इस सीवर लाइन की खुदाई के लिए जेसीबी लगी हुई है। जेसीबी क्रमांक एमपी06डीए 0121 का चालक सड़क की खुदाई कर रहा था, तभी उसने जेसीबी के बकेट को बिना देखे घुमा दिया। बकेट की चपेट में पास से गुजर रहा ओला स्कूटर आ गया। ओला स्कूटर पर संदीप वर्मा पुत्र मुन्नालाल वर्मा उम्र 40 साल निवासी न्यू ग्रेसिम विहार कॉलोनी, चार शहर का नाका और उसकी मां सुशीला वर्मा गिर गईं। इससे संदीप वर्मा की रीढ़ की हड्डी में चोट आई हैं, जबकि सुशीला वर्मा की बायीं पसली में चोटे आई हैं। हादसे की सूचना फरियादी ने पुलिस को दी। हजीरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो लोगों से ऑनलाइन ठगे 3 लाख

ग्वालियर। ऑनलाइन ठगी का लोग लगातार शिकार हो रहे हैं, ऐसे ही दो मामले जनकगंज एवं महाराजपुरा थाने में दर्ज हुए हैं, जहां ऑनलाइन ठगी कर दो लोगों से 3 लाख 29 हजार रुपए ठग लिए। पुलिस मामलों की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार महेंद्र सिंह पुत्र स्व. जयकिशोर हिण्डोलिया निवासी चौहान टेंट हाउस के पास आदित्यपुरम थाना महाराजपुरा का मोबाइल बुधवार की सुबह 11.30 बजे अपने आप अपडेट होने लगा। इसके बाद अचानक महेंद्र कुमार के मोबाइल पर उनके एसबीआई बैंक के अकाउंट से 39 हजार रुपए कटने का मैसेज आया। इसके थोड़ी देर बाद उनकी मॉ के खाते से 94 हजार रुपए कटने का मैसेज आया। मैसेज आने के बाद जब उन्होंने बैंक जाकर पता किया तो दोनों के खाते से 1 लाख 34 हजार 996 रुपए निकल गए थे। इसकी सूचना उन्होंने महाराजपुरा थाने में दी। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है और यह पता लगा रही है कि आखिरकार अपने आप मोबाइल कैसे अपडेट होने लगा, साथ ही वह यह भी पता लगा रही है कि महेंद्र सिंह के खाते से निकले पैसे किन-किन खातों में ट्रांसफर हुए हैं। इसी प्रकार जनकगंज थाना क्षेत्र स्थित नितिन पवार स्व. कृष्णराव पवार उम्र 57 साल निवासी शिंदे मण्डली बाई साहब की परेड़ लक्ष्मीगंज ट्रेडिंग करते थे, उन्होंने 9 जनवरी से लेकर 9 फरवरी तक 1 लाख 94 हजार रुपए एंजिल एलेक्स कंपनी ने खाते में ट्रांसफर कर लिए। इसके बाद कंपनी ने उन्हें पैसे वापस नहीं किए। इसके चलते नितिन पवार ने एंजिल एलेक्स कंपनी के संचालक के खिलाफधोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है।

घर से कॉलेज के लिए निकला छात्र गायब

ग्वालियर। कॉलेज के लिए घर से निकला छात्र ना तो कॉलेज पहुंचा और ना ही वापस लौटकर घर आया। शाम तक परिजन उसका इंतजार करते रहे, साथ ही उसके दोस्तों और कॉलेज में खोजा। छात्र का कहीं भी पता नहीं चला जिसके बाद परिजनों ने मुरार थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार रूद्र प्रताप सिंह भदौरिया निवासी आदर्श गौशाला गेट नंबर 2 के पास लालटिपारा बुधवार की सुबह आईटीएम कॉलेज जाने के लिए निकला था, लेकिन वह शाम तक वापस लौटकर नहीं आया। शाम तक नहीं आने पर जितेंद्र सिंह भदौरिया पुत्र स्व. बलभद्र सिंह भदौरिया उसे खोजने के लिए कॉलेज गए, लेकिन कॉलेज से पता चला कि वह आज कॉलेज नहीं आया है। साथ ही उसका मोबाइल भी बंद जा रहा था। मुरार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

लग्जरी कार से स्टंट कर हाइवे पर की फायरिंग, वीडियो वायरल

ग्वालियर। लग्जरी कार खरीदने के बाद युवकों द्वारा स्टंट और दिनदहाड़े हाइवे पर फायरिंग का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है और आरोपियों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

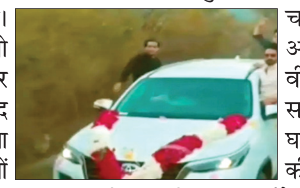

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो शीतला माता रोड का है, जिसमें एक दर्जन से अधिक युवक नई लग्जरी कार में तेज म्यूजिक पर सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कुछ युवक कार की खिड़कियों से बाहर लटकते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद जश्न के दौरान एक युवक राइफल से हाइवे पर गोली चलाता हुआ नजर आया। हालांकि वीडियो गुरुवार को सामने आया, लेकिन घटना बुधवार दोपहर की बताई जा रही है। पुलिस अब हाईवे पर स्थित होटल और ढाबों के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर युवकों की पहचान करने में जुटी है। इस मामले में थाना प्रभारी कंपू अमर सिंह सिकरवार ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर स्टंटबाजी और फायरिंग करने वाले युवकों की पहचान की जा रही है।

बीती रात 1.6 मीमी हुई बारिश, सुबह चली सर्द हवायें

ग्वालियर। बुधवार की रात को हुई बारिश और आंधी ने तापमान को एक दम नीचे गिरा दिया, जिससे गुरूवार को दिनभर लोगों को सर्दी महसूस हुई। मौसम विभाग के द्वारा दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार गुरूवार की सुबह तक 1.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। वहीं जनवरी से लेकर 19 फरवरी तक शहर में 66.4 मिमी बारिश हो चुकी है। वहीं फरवरी माह की मासिक बारिश 2.8 मिमी हो गई है।

स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार गुरूवार को धूप खिली रही, जिससे बीते दिन की अपेक्षा अधिकतम तापमान लगभग 3 अंक बढ़ गया। फिर भी सामान्य से कम रहा। बीते दिन बुधवार को बादल छाए रहने से दिन का तापमान घटकर 23.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया था और यह सामान्य से 3.2 डिसे मायनस में दर्ज हुआ था। जबकि गुरूवार को 2.6 अंक बढ़कर अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस मायनस में आंका गया। वहीं बुधवार की रात को हुई बारिश ने शहर को तरबतर कर दिया था। इसके साथ ही किसानों की चिंता बढ़ने लगी थी कि कहीं तेज बारिश और ओले खड़ी फसल को चौपट ना कर दें। लेकिन जैसे ही गुरूवार को मौसम सामान्य हुआ तो किसानों ने राहत की सांस ली।

कला ही सम्मान दिलाती है: डीएफओ मीणा

- नो सिंगल यूज प्लास्टिक का संदेश देने तपोवन में चला विशेष अभियान

ग्वालियर। सामाजिक वानिकी वृत्त ग्वालियर के अंतर्गत आने वाली तपोवन रोपणी में रंगों का प्रकृति का उत्सव देखने को मिला। नगर निगम और वन विभाग की ओर से आयोजित हरित तपोवन वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता में करीब 50 कलाकारों ने हिस्सा लिया। इस रचनात्मक पहल में फाईट आर्टस कालेज के छात्र छात्राओं ने बुधवार को दीवारों पर वन्य जीवों और हरियाली की मनमोहक आकृतियां उकेरी।

इस अवसर पर डीएफओ मीणा अवधेश कुमार शिवकुमार ने छात्रों द्वारा उकेरी गई आकर्षक कलाकृतियों की प्रशंसा करते हुये कहा कि कला ही सम्मान दिलाती है। इसके बाद सभी

कलाकारों को वन विभाग की तरफसे प्रोत्साहन राशि और प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। वन विभाग की टीम द्वारा यहां आए सभी कलाकारों का विशेष सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में सहायक वनसंरक्षक सुरेश कुमार अहिरवार, कंसलटेंट नगर निगम देवेंद्र निम, कंसलटेंट नगर निगम नवीन राणा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन विशेष कर्तव्य अधिकारी श्रीमती शैलजा ठाकुर के मार्गदर्शन में हुआ।

हॉस्पिटल में इलाज कराने आया मरीज चोरी कर ले गया एक्टिवा

ग्वालियर। एमएच हॉस्पिटल में कार्य करने वाली महिला स्टाफकी एक्टिवा को इलाज कराने के लिए आए अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। शाम को जब एक्टिवा गायब मिली तो महिला स्टाफने इसकी सूचना मुरार थाने में दी। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफमामला कायम कर लिया है।

जानकारी के अनुसार सुनीता साहू पत्नी यतेंद्र मोदी उम्र 50 साल निवासी अलीजा बाग कॉलोनी शिंदे की छावनी एमएच हॉस्पिटल मुरार में आउससोर्स कर्मचारी के रूप में स्टेनो का कार्य करती हैं। बुधवार को वह अपने कार्य पर गई थीं, इस दौरान अस्पताल में इलाज कराने के लिए अज्ञात व्यक्ति ने पार्किंग में खड़ी एक्टिवा क्रमांक एमपी07एसजी 5113 को चोरी कर लिया। शाम को जब एक्टिवा नहीं मिली तो सुनीता साहू ने इसकी शिकायत मुरार थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात चोर की तलाश कर रही है।

निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन कल

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत निर्धारित संशोधित कार्यक्रम के अनुसार ग्वालियर जिले में भी फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली (अर्हता तिथि 01.01.2026) का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधी की बैठक इस दिन दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित होगी। इस बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाएगी।

NOTICE

I, Manu Singh Bhadoriya, S/o Dhanendra Singh Bhadoria, R/o Flat No. 103, Vaibhav Sagar Apartment, Krishnanagar, Gola Ka Mandir, Gwalior, Madhya Pradesh, do hereby declare that I have changed the spelling of my name from Manu Singh Bhadoriya to Manu Singh Bhadoria for all future purposes.Henceforth, I shall be known as Manu Singh Bhadoria for all official and legal purposes.

जीवन विज्ञान मानव सभ्यता के विकास की आधारशिला है: प्रो. राकेश कुशवाह

- प्राचीन से आधुनिक युग तक का सफर विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

ग्वालियर। जीवन विज्ञान मानव सभ्यता के विकास की आधारशिला रहा है।प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद, वनस्पति विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। आधुनिक युग में जैव प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे शोध मानव जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। विद्यार्थियों को वैश्विक चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा में योगदान देना चाहिए। यह बात गुरूवार को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के कुलगुरू प्रो.राकेश कुशवाह ने स्कूल ऑफ स्टडीज इन बॉटनी एंड माइक्रोबायोलॉजी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कही। डीआरडीई के पूर्व निदेशक डॉ. डी.के. दुबे, कुलगुरू डॉ. राजकुमार आचार्य, डॉ. सपन पटेल मंचासीन रहे। प्रो. एमके गुप्ता ने संगोष्ठी की रूपरेखा बताई।

डॉ. डी.के. दुबे ने कहा कि माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी आज राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। उन्होंने बताया कि जैव-रक्षा, वैक्सीन विकास और रोगजनक सूक्ष्मजीवों पर शोध में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जेयू के कुलगुरू डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि यह संगोष्ठी प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय का सशक्त मंच साबित हुई है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि शोध की नई संभावनाओं को विकसित करना और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना है। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों को शॉल श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी दौरान जेयू और महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय के बीच एमओयू साइन किया गया। कार्यक्रम के समापन सत्र में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इसी के साथ दो दिनों तक चले इस आयोजन में 100 से अधिक शोध-पत्र और पोस्टर प्रेजेंटेशन आयोजित किए गए। आयोजन सचिव डॉ.सपन पटेल ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. विवेक बापट, प्रो. जेएन गौतम, प्रो. आईके पात्रो, प्रो. एसएन महापात्रा, प्रो. एसके सिंह, प्रो. एसके श्रीवास्तव, प्रो. हेमंत शर्मा, प्रो. मुकुल तेलंग, प्रो. शांतिदेव सिसौदिया, प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ, प्रो. राधा तोमर, प्रो. महेंद्र गुप्ता, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. समीर भाग्यवंत, डॉ. निमिषा जादौन, डॉ. स्वर्णा परमार, प्रो. डीसी गुप्ता, डॉ. नवनीत गरूड़, प्रो. राजेंद्र खटीक, प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ, डॉ. सतेंद्र सिकरवार, डॉ. पीके जैन सहित शोधार्थी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

संपादकीय

भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान शिक्षा : सोच-समझकर आगे बढ़ने की आवश्यकता

डॉ विजय गर्ग

भारत की ज्ञान परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। यहाँ शिक्षा केवल जीविका कमाने का माध्यम नहीं थी, बल्कि जीवन को समझने, प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाने और मानव कल्याण की दिशा में आगे बढ़ने का साधन थी। आज जब विज्ञान और तकनीक का युग है, तब यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या हमारी आधुनिक विज्ञान शिक्षा भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़कर आगे बढ़ रही है या उससे कटती जा रही है।भारतीय परंपरा में ज्ञान को समग्र रूप में देखा गया। वेद और उपनिषद में ब्रह्मांड, प्रकृति, चेतना और जीवन के रहस्यों पर गहन विचार मिलता है। आचार्य चरक और सुश्रुत ने आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा में वैज्ञानिक पद्धतियों का प्रयोग किया। आर्यभट ने खगोल विज्ञान और गणित में ऐसे सिद्धांत दिए जो आधुनिक विज्ञान की नींव से मेल खाते हैं।

यह परंपरा अनुभव, अवलोकन और तर्क पर आधारित थी – जो विज्ञान की मूल आत्मा है। आज की शिक्षा प्रणाली में विज्ञान को अक्सर परीक्षा और अंकों तक सीमित कर दिया गया है। विद्यार्थी सूत्र याद करते हैं, प्रयोगों का उद्देश्य समझे बिना उन्हें दोहराते हैं और विज्ञान को जीवन से जोड़ने में असफल रहते हैं।

रटने की प्रवृत्ति, समझ की कमी, प्रयोगात्मक शिक्षा का अभाव

प्रकृति और स्थानीय ज्ञान से दूरी

विज्ञान को नैतिकता और जीवन मूल्यों से अलग देखना, भारतीय ज्ञान परंपरा से क्या सीखें?

भारतीय ज्ञान परंपरा विज्ञान शिक्षा को अधिक जीवन्त और प्रासंगिक बना सकती है।

ज्ञान को अलग-अलग विषयों में बाँटने के बजाय जीवन से जोड़कर समझना।

प्रकृति का अवलोकन, औषधीय पौधों का अध्ययन, स्थानीय पर्यावरण की समझ।

विज्ञान और नैतिकता का संतुलन

विज्ञान का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, केवल तकनीकी प्रगति नहीं।

प्रश्न पूछने की संस्कृति

उपनिषदों की संवाद परंपरा जिज्ञासा और चिंतन को बढ़ावा देती है।

विज्ञान शिक्षा में परंपरा का समावेश कैसे हो?

पाठ्यक्रम में भारतीय वैज्ञानिकों और परंपरागत ज्ञान को शामिल किया जाए योग, आयुर्वेद, पर्यावरणीय ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टि से पढ़ाया जाए, स्थानीय ज्ञान प्रणालियों का दस्तावेजीकरण और अध्ययन, प्रयोगात्मक एवं प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा को बढ़ावा

विज्ञान को सामाजिक समस्याओं के समाधान से जोड़ा जाए

सावधानी भी आवश्यक

परंपरा को अपनाते समय अंधविश्वास और वैज्ञानिक सोच में अंतर समझना जरूरी है। हर परंपरागत विचार वैज्ञानिक नहीं होता। इसलिए:

प्रमाण और परीक्षण आवश्यक हैं, वैज्ञानिक पद्धति का पालन अनिवार्य है तर्क और विवेक को प्राथमिकता दी जानी चाहिए,

भारत यदि ज्ञान महाशक्ति बनना चाहता है, तो उसे अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक विज्ञान की दिशा में आगे बढ़ना होगा। भारतीय ज्ञान परंपरा हमें सोचने, प्रश्न करने और प्रकृति के साथ संतुलन में जीने की प्रेरणा देती है, जबकि आधुनिक विज्ञान हमें खोज, नवाचार और तकनीकी प्रगति की दिशा दिखाता है। दोनों का समन्वय ही भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

विज्ञान तभी सार्थक है जब वह ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवता के साथ जुड़ा हो – और यही भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल संदेश है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

‘ वैसे देखा जाए तो भारत पिछले एक दशक में जिस तेज गति से सौर ऊर्जा की ओर अग्रसर हुआ है, वह न केवल तकनीकी प्रगति का प्रमाण है, बल्कि वैश्विक जलवायु संकट के प्रति देश की रणनीतिक समझ का भी संकेत देता है। वर्ष 2014 में जहां भारत की कुल स्थापित सौर क्षमता मात्र तीन गीगावाट के आसपास थी, वहीं आज यह 135 गीगावाट से अधिक हो चुकी है। यह वृद्धि केवल संख्यात्मक नहीं है; यह उस राजनीतिक इच्छाशक्ति, नीति समर्थन और पूंजी निवेश का परिणाम है ’

आज मुल्क (हम) उन सब दस्तूरों से मुक्त है, जो आवश्यक हैं..

अंकलेश जाखड़

ना जाने क्यों, ,मुझे हमेशा से ही घटनाओं से अधिक विचारों पर बात करना रोचक और अर्थपूर्ण लगता है .यही वजह है कि यदा कदा उन विचारों को ,जो मुझे आज के समय के हिसाब से प्रासंगिक और समय की जरूरत महसूस होते हैं, को मेरे अपने भावों में समेटकर , शब्दों के माध्यम से उन लोगों के साथ साथ साझा कर लेती हूँ, जिनसे बेहतर समझ और तर्क की उम्मीद होती है.

इसी सोच के साथ ,आज मैं आपके साथ जिस विचार और भाव की बात साझा कर रही हूँ, वो विचार हम सब इंसानों के लिए, खुद को इंसान सिद्ध करने के लिए ना केवल आवश्यक है बल्कि इंसान होने का प्राथमिक गुण भी है . बात को लंबी खींचने की बजाय, अपने मत को सिद्ध करने की दिशा में हम सीधे रुख करते हैं ज़ेहरा निगाह की प्रसिद्ध नज़्म जिसका शीर्षक है-

‘सुना है जंगलों का भी कोई दस्तूर होता है’

यह नज़्म बहुत खूबसूरत और अर्थपूर्ण है, इसलिए मुझे लगा कि सबके साथ यह कविता साझा करनी चाहिए . कविता का शीर्षक, कविता की प्रथम पंक्ति से लिया गया है प्रत्येक पंक्ति अपने आप में एक विशिष्ट है किंतु सम्पुर्ण भाव को सिद्ध करने के लिए सहायक पंक्ति की जरूरत महसूस होती है, इसीलिए पूरी कविता ,जो कुछ इस तरह से है आपके लिए प्रस्तुत है.

सुना है जंगलों का भी कोई दस्तूर होता है

सुना है शेर का जब पेट भर जाए

तो वो हमला नहीं करता

दरख्तों की घनी छाँव में जा कर लेट जाता है

हवा के तेज़ झोंके जब दरख्तों को हिलाते हैं

तो मैना अपने बच्चे छोड़ कर

कव्वे के अंडों को परों से थाम लेती है

सुना है घोंसले से कोई बच्चा गिर पड़े

तो सारा जंगल जाग जाता है सुना है जब किसी नद्दी के पानी में बए के घोंसले का गंदुमी रंग लरज़ता है तो नद्दी की रुपहली मछलियाँ उसको पड़ोसन मान लेती हैं कभी तूफ़ान आ जाए, कोई पुल टूट जाए, तो किसी लकड़ी के तख़्ते पर गिलहरी, साँप, बकरी और चीता साथ होते है सुना है जंगलों का भी कोई दस्तूर होता है खुदावंदा! जलील ओ मो’तबर! दाना ओ बीना! मुंसिफ़ ओ अकबर! मिरे इस शहर में अब जंगलों का ही

कोई क़ानून नाफ़िज़ कर!

मैं आपको बता दूँ कि ज़ेहरा निगाह एक प्रसिद्ध उर्दू कवयित्री और लेखिका हैं। उनका जन्म 14 मई 1936 को भारत के हैदराबाद में हुआ था और विभाजन के बाद उनका परिवार पाकिस्तान चला गया।

वह 1950 के दशक में उन दो महिला कवयित्रियों में से एक थीं जिन्होंने पुरुषों के वर्चस्व वाले उर्दू काव्य जगत में अपनी पहचान बनाई। वर्तमान में प्रसिद्ध कवयित्री ज़ेहरा निगाह कराची, पाकिस्तान में रहती हैं। इस बात का उल्लेख इसलिए आवश्यक है कि यह कविता उन्होंने पाकिस्तान के उन हालातों को मध्य नजर रखते हुए लिखी होगी, जो इंसानियत और उनके मुल्क के लिए बेहद चिंता जनक रहें होगें. ज़ेहरा निगाह ने मुख्य रूप से जो नज़्म और ग़ज़ल के रूप में कविताएँ लिखी वो यथार्थ के बहुत नजदीक हैं.उनकी कविताओं में स्त्रीवादी दृष्टिकोण, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दे, मानवीय भावनाएँ और दैनिक जीवन

के अनुभवों की अनुभूति होती है.सरल और सहज लेखन शैली में गहराई और मार्मिकता की ऐसी अभिव्यक्ति जो किसी भी इंसान के हृदय तक पहुँचे बैगर रह ही नहीं सकती.

इस कविता का एक एक शब्द उस हकीकत से होकर गुजर रहा है जिसका सामना देश दुनिया में, हम इंसान सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर रोज करते हैं, और कुछ इस तरह के माहौल में कर रहे हैं जो हर मानवीय दस्तूर के बंधन से मुक्त है और भयावह भी है. यदि मैं स्त्री की बात करूँ तो आज वह उस दस्तूर से मुक्त है जिस दस्तूर में उसके मन में करुणा , दया और प्रेम का भाव पनपता है. मैं पुरुष की बात करूँ तो वह हर उस दस्तूर से मुक्त है , जिसमें महिलाओं के मान की रक्षा की जाए. इन सबसे बढ़कर मैं यदि राजनीति की बात करूँ तो राजनेता हर उस भाव से मुक्त है जिसमें उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी अपने क्षेत्र की जनता के प्रति होती है. मालिक नौकर के प्रति संवेदना के भाव से मुक्त है और व्यापारी अपनी तिजोरी भरने के चक्कर में गरीब की रोटी के भाव से मुक्त है.

पंथ अपने समकक्ष पंथ की विशेषताओं से युक्त होते हुए भी हम जैसे मंदबुद्धि लोगों की वजह से सहीष्णुता से मुक्त हो रहा हैं.इन सबसे बढ़कर भारत जैसे लोकतंत्र में सत्ता पक्ष संविधान के उस लोककल्याणकारी दस्तूर से मुक्त है जिसमें जनता का कल्याण निहित होता है. और तो और हमारे प्रधानमंत्री जी तो भी उस नैतिक जबबदेही से मुक्त हैं, जो जनता और देश के प्रति होती हैं. ईमान इतना बेईमान हो गया है कि ईमानदारी के दस्तूर से मुक्त हो चला है. एक कदम आगे बढ़ाकर मैं ,मेरे जैसी उदासीन आवाम की बात करूँ तो वो उस देशभक्ति के दस्तूर से मुक्त है, जिसमें देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव और देश प्रेम निहित होता है. मुक्ति के रास्ते पर क्या नेता, क्या अभिनेता, क्या आम ,क्या खास, क्या एक क्या अनेक ,सब उस रास्ते से दूर हैं जिसमें सही को सही और गलत को गलत मानने का दस्तूर होता है. आज धर्म शांतिपूर्ण सह- अस्तित्व के भाव की स्वीकृति से मुक्त है, और अमीर, गरीब तबके के हितों की पैरवी से भी मुक्त है. संक्षेप में कहूँ तो हम हर उस दस्तूर से मुक्त होने के कगार पर हैं जो हमारी आत्मा में परमार्थ का भाव पैदा करने के लिए आवश्यक है.

कविता की कुछ पंक्तियाँ,जिनके माध्यम से आपदा के समय जीवों के साथ आने की बात कही गई हैं और यह भाव संकट के समय एकजुटता और सहयोग की बात करता है। पर हम इंसान तो इस भाव से ही मुक्त हैं. यहाँ कविता की ये पंक्तियाँ लिखना इसलिए आवश्यक हो जाता हैं,कि मैं कोशिश करके भी उन शब्दों को अन्य शब्दों से प्रतिस्थापित नहीं कर सकती जो मूल भाव को दर्शाते हैं.

‘कभी तूफ़ान आ जाए, कोई पुल टूट जा, तो किसी लकड़ी के तख़्ते पर गिलहरी साँप, बकरी और चीता साथ होते हैं ‘

कविता की उपरोक्त पंक्तियों में जंगल का वो खूबसूरत दस्तूर साफ़ नज़र आ रहा है जिसमें मुसीबत और तूफ़ान के वक्त सब जानवर एक ही लकड़ी को, जीवन की उम्मीद का सहारा बना लेते हैं ताकि कम साधनों में संगठित होकर अपनी जीवन रक्षा के उपाय खोजे जा सके .

और मैं इसके आगे की पक्तियों की बात करूँ तो यह कहना उचित ही होगा कि ईश्वर की श्रेष्ठ रचना या खूबसूरत कृति

जिसे मानव कहा जाता है, उसका दस्तूर इस कदर विकृत हो गया है कि यहाँ जंगल का दस्तूर लागू करने की गुजारिस बड़ी मार्मिकता और बोझिल मन से, उम्मीद की किरण के रूप में निम्नलिखित पंक्तियों के माध्यम से की गई है.

‘सुना है जंगलों का भी कोई दस्तूर होता है खुदावंदा! जलील ओ मो’तबर! दाना ओ बीना! मुंसिफ़ ओ अकबर!

मिरे इस शहर में अब जंगलों ही का कोई क़ानून नाफ़िज़ कर!

जेहरा निग़ाह जी की तरह मैं भी ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि मेरे शहर और मेरे मुल्क में भी ,जंगलों के इन्हीं नियमों को लागू किया जाए, जहाँ जंगल की तर्ज पर ही शांति, सहयोग और मानवीयता का बोलबाला हो। आधुनिक समाज की क्रूरता, स्वार्थ ,अव्यवस्था तथा राजनीति के सबसे घिनोने पक्ष से यह मुल्क मुक्त हो . हम सब देश हित में, जंगल के आदर्शों के आयाम के, माध्यम से एक बेहतर आयाम स्थापित करके, आवाम के हितों की रक्षा का उपाय तलाश कर यथासंभव उचित स्तर पर जीवन के खूबसूरत दस्तूर जिसमें प्रेम ,दया और जिम्मेदारी निहित हो, को अपने चरित्र में लागू करें...

फ्रांस से ‘विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी’

नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच मंगलवार को मुंबई में हुई वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद इक्कीस समझौतों को स्वीकृति दी गई। इस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता और रणनीतिक दृष्टिकोण से कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल द्विपक्षीय व्यापार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि रक्षा के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत होगी।

बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बीच भारत आर्थिक एवं रणनीतिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी को और व्यापक बनाने की राह पर आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के बाद भारत ने अब फ्रांस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को ‘विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी’ में बदल दिया है। इसके तहत दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है।

नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच मंगलवार को मुंबई में हुई वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद इक्कीस समझौतों को स्वीकृति दी गई। इस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता और रणनीतिक दृष्टिकोण से कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल द्विपक्षीय व्यापार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि रक्षा के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत होगी।

पिछले दिनों भारत ने ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए थे

पिछले दिनों भारत ने ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए थे। उसके बाद न्यूजीलैंड और फिर यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया। हाल में भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का एलान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका ने भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क को घटाकर अठारह फीसद कर दिया। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर भारी-भरकम शुल्क लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ।

इस संकट से निपटने के लिए भारत ने अपने उत्पादों के वास्ते दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने की हरसंभव कोशिश की तथा व्यापार समझौतों की शक्ल में उसके सफल नतीजे भी सामने आए। अब फ्रांस के साथ विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी से भारत के व्यापार, प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र में सशक्तीकरण की संभावनाओं को और बल मिलेगा। भारत और फ्रांस ने परस्पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष समझौता किया है, जिससे दोनों देशों के नागरिकों और कंपनियों को अब दोहरा कर नहीं देना पड़ेगा। इससे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आवागमन को नई गति मिलेगी।

गौरतलब है कि फ्रांस की मदद से कर्नाटक के वेमागल में एयरबस एच-125 हेलिकाप्टरों के निर्माण के लिए कलपुर्जों को जोड़ने का कारखाना भी स्थापित किया गया है, जहां अब काम शुरू हो गया है। यहां दुनिया के ऐसे शक्तिशाली हेलिकाप्टर का निर्माण किया जाएगा, जो विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम होगा।

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए भारत और फ्रांस के बीच ‘हैमर’ मिसाइलों के उत्पादन को लेकर भी अहम समझौता हुआ है। इसके तहत भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड और फ्रांसीसी रक्षा कंपनी सैफरान संयुक्त उद्यम स्थापित करेगी। यह सच है कि फ्रांस, भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक है और अब दोनों देशों के बीच सहयोग का नया अध्याय शुरू हो रहा है।

विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की पहल फ्रांस की विशेषज्ञता और भारत की विशाल क्षमता को एक साथ लाने का प्रयास है और इससे निश्चित तौर पर भारत की विनिर्माण एवं निर्यात क्षमताओं में इजाफा होगा।

यह भी पढ़ें- हम बनाएंगे एवरेस्ट के ऊपर उड़ने वाला हेलीकॉप्टर

भारत दौरे पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुंबई में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस भी हुई। फ्रांसिसी राष्ट्र प्रमुख इमैनुअल मैक्रों से बातचीत और साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा है कि अब ऐसे हेलीकॉप्टर बनाए जाएंगे, जो कि माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई पर भी उड़ सकेगा।

अधिकार और अपनों का फायदा, जब भाई-भतीजावाद पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त नजर पड़ी

हरियाणा सरकार की एक आवासीय समिति में इसी का तरह मामला सामने आया है, जहां मानदंडों को दरकिनार कर पात्र व्यक्तियों की बजाय शासी निकाय के एक सदस्य और उनके अधीनस्थ को आवास आबंटित कर दिए गए।

राजनीति से लेकर सरकारी तंत्र तक, हर जगह भाई-भतीजावाद की प्रवृत्ति अक्सर देखने को मिलती है। इससे न केवल योग्य प्रतिभाएं हाशिए पर चली जाती हैं, बल्कि पात्र नागरिकों के अधिकारों का हनन भी होता है। साथ ही इससे सामाजिक और संस्थागत विकास का न्यायिक पक्ष भी कमजोर होता है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाता है।

हरियाणा सरकार की एक आवासीय समिति में इसी का तरह मामला सामने आया है, जहां मानदंडों को दरकिनार कर पात्र व्यक्तियों की बजाय शासी निकाय के एक सदस्य और उनके अधीनस्थ को आवास आबंटित कर दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय को पक्षपातपूर्ण बताया

सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को इस मामले में आवास का आबंटन रद्द करते हुए कहा कि यह निर्णय पक्षपातपूर्ण और आवासीय समिति के खुद के पात्रता मानदंडों का उल्लंघन करता है। साथ ही कहा कि इस तरह का भाई-भतीजावाद और खुदगर्जी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अभिशाप की तरह है।

गौरतलब है कि सरकारी आवासीय समितियों में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। कई मामले तो ऐसे होते हैं, जो उजागर ही नहीं हो पाते, क्योंकि दूसरा पक्ष कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होता है।

ऐसे में इन समितियों में अपने करीबियों को नियमों के विपरीत लाभ पहुंचाने का खेल चलता रहता है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय को भी यह कहना पड़ा कि भाई-भतीजावाद और स्वार्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रतिकूल है, विशेषकर तब जब यह ऐसे समाज के भीतर हो, जिसमें सरकारी सेवा के सदस्य शामिल हों और जो पारदर्शी आबंटन प्रक्रिया के माध्यम से आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा करता हो।

निस्संदेह आवासीय समितियों में भ्रष्टाचार और पक्षपात गंभीर समस्या है। इन समितियों के लेखा परीक्षण में लापरवाही, चुनाव कराने में देरी और दस्तावेजों में हेराफेरी किसी से छिपी नहीं है।

अफसोसनाक है कि आवासीय समितियों से संबंधित सरकारी अधिकारी भी कई बार इस तरह की हेराफेरी को नजरअंदाज कर देते हैं। शीर्ष अदालत का यह फैसला और टिप्पणी उन सभी आवासीय समितियों के लिए चेतावनी है, जहां आवास आबंटन प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया जाता है।

यह भी पढ़ें- शक्तियों और अधिकार का घोर दुरुपयोगः सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने भाई-भतीजावाद और खुदगर्जी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अभिशाप बताते हुए हरियाणा सरकार की एक आवासीय समिति द्वारा शासी निकाय के एक सदस्य और उनके अधीनस्थ को दो फ्लैटों का आबंटन रद्द कर दिया है।

अनुभव सिन्हा ने ‘अस्सी’ में बाल कलाकार के निर्देशन पर कहा: ‘हमने उसे पूरी कहानी सीधे तौर पर नहीं बताई ’

मुंबई। बहुप्रतीक्षित फिल्म अस्सी की सबसे चर्चित बातों में से एक है बाल कलाकार अद्विक जायसवाल की प्रभावशाली उपस्थिति। फिल्म में उनकी भूमिका कहानी को एक भावनात्मक गहराई देती है और यह याद दिलाती है कि बच्चे अपने आसपास की दुनिया को किस तरह देख और समझ रहे होते हैं। उनके किरदार के माध्यम से फिल्म ज़िम्मेदारी, परिवेश और समाज द्वारा गढ़ी जा रही वास्तविकताओं पर संवेदनशील सवाल उठाती है। बिना किसी बहुत अधिक ड्रामा के, पर्दे पर उनकी सहज मौजूदगी दर्शकों के मन में बस जाती है। एक गहन और परतदार कहानी के बीच, एक बच्चे की ईमानदार नज़र और अपने आसपास के लोगों से पूछे गए सीधे सवाल कथा को और अर्थपूर्ण बनाते हैं, जिससे फिल्म का प्रभाव और गहरा हो जाता है। रिलीज़ से पहले ही अस्सी ने जबरदस्त चर्चा पैदा कर दी है। विशेष प्रीमियर स्क्रीनिंग्स से सामने आ रही शुरुआती समीक्षाएँ बेहद सकारात्मक रही हैं। समीक्षकों और मीडिया ने फिल्म की सशक्त कहानी कहने की शैली और भावनात्मक ताकत की सराहना की है। रिलीज़ से पहले दर्शकों और प्रेस को फिल्म दिखाने का निर्माताओं का निर्णय उनके कंटेंट पर भरोसे को दर्शाता है और यह रणनीति असरदार साबित होती दिख रही है। बाल कलाकार के साथ काम करने के अनुभव पर निर्देशक अनुभव सिन्हा ने कहा, ‘बेशक हमने उसे पूरी कहानी सीधे तौर पर नहीं बताई। उसे इतना पता था कि उसके साथ लूट और मारपीट हुई है। वह एक बेहद समझदार बच्चा है और उसे यह खूबसूरती से समझ आता है कि उससे क्या अपेक्षा की जा रही है। ज़्यादातर ब्रीफ्स हमने उसे हल्के-फुल्के काल्पनिक संदर्भों में दिए, ताकि वह उस पल की ज़रूरत के मुताबिक अभिनय कर सके। बच्चे फिल्म सेट पर मज़े कर रहे होते हैं। वे अपना शॉट देना चाहते हैं और फिर वापस अपने खेल या गतिविधि में लौट जाना चाहते हैं। अच्छी बात यह है कि वे किरदार को जी नहीं रहे होते। ‘ उनका यह संवेदनशील और विचारशील दृष्टिकोण दर्शाता है कि फिल्म को किस सावधानी से गढ़ा गया है, ताकि पर्दे पर भावनात्मक सच्चाई बनी रहे और पर्दे के पीछे बच्चे की मासूमियत सुरक्षित रहे। तापसी पन्नू अभिनीत अस्सी में कानी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब जैसे सशक्त कलाकार अहम् भूमिकाओं में हैं। वहीं, नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा विशेष उपस्थिति में नज़र आएँगे। गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ प्रस्तुत करते हैं ‘अस्सी’, जिसे बनारस मीडिया वर्क्स द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है और इसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है।

.... शेष पृष्ठ एक का

आप भगवान से प्रेम करो ये आस्था, भगवान आपसे प्रेम करें ये भक्ति: पं धीरेंद्र शास्त्री

कुर्सी जाने का डर सताता है, लेकिन डॉ नरोत्तम मिश्रा के पास तो कुर्सी है ही नहीं। इसके उन्हें किसी का डर नहीं हैं। कुर्सी जाने के बाद वो अभूतपूर्व काम करके दिखाया है, जिसके लिए उन्हें सदियों तक लोग याद करेंगे। कथा विश्राम करते हुए उन्होंने श्रद्धालुओं को हिदायत दी कि यदि आपकी गति और मति ठीक बनी रहे तो आपकी प्रगति को कोई नहीं रोक सकता। फिर कभी समय मिलेगा तो रामकथा सुनाने आएंगे और न दिन नवग्रह पर कथा सुनाएंगे।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने माना सभी का आभार

कथा विश्राम के बाद कार्यक्रम के मुख्य आयोजक व पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आयोजन से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन को सफलतापूर्वक करना मेरे अकेले के संभव नहीं था,लेकिन इस आयोजन को अपना समझकर संपूर्ण डबरा नगर की जनता ने तन मन धन से सहयोग किया। देश के शीर्ष राजनेता, मशहूर हस्तियां एवं संत महंतों के साथ अंचल भर के लोगों ने शिरकत कर इसे अभूतपूर्व बना दिया। जिला प्रशासन, नगरीय निकाय, अन्य विभागों के साथ प्रेस मीडिया ने भी इस कार्यक्रम का भरपूर प्रचार-प्रसार किया, जिससे जो लोग डबरा नहीं आ सके, उन्होंने भी इस धर्मगंगा में मानसी डुबकी लगाई।

आज सुबह 11 बजे से होगी प्राण-प्रतिष्ठा

नौ दिनों तक आयोजित हुए नवग्रह शक्ति पीठ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुक्रवार को विधिविधान से समापन होगा। सुबह 11 बजे से मंत्रोचारण के बीच विधिपूर्वक नवग्रह देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस धार्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य नवग्रह देवताओं को जीवन का संचार करना और श्रद्धालुओं के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाना है।

हर दिन डाली गई एक लाख आहुति

महोत्सव के दौरान, प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ में प्रत्येक ग्रह देवता के लिए हर दिन एक लाख आहुतियाँ डाली गइ। शुक्रवार को यज्ञ शाला में पूर्ण आहुति दी जाएगी, जिससे समस्त यज्ञ का पुण्य सिद्ध होगा और श्रद्धालु अपने जीवन में खुशहाली और प्रगति का अनुभव करेंगे।

कथा प्रसाद के साथ संतों का आशीर्वाद

महोत्सव के दौरान देशभर के शीर्षस्थ संतों ने अपनी दिव्य वाणी से श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। पंडित प्रदीप मिश्रा ने शिवमहापुराण की कता सुनाकर श्रद्धालुओं का कल्याण का मार्ग बताया, तो वहीं डॉ. कुमार विश्वास ने अपने अपने राम के माध्यम से बहुत ही सुंदर ढंग से समझाया कि यदि जीवन में राम आ गए, तो फिर आनंद ही आनंद है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमंत कथा और दिव्य दरबार लगाकर लोगों को पीड़ा से मुक्ति दिलाई, वहीं दीदी मां साध्वी ऋतुंबरा की वातसल्यमयी वाणी का अमृत भी भक्तों को मिला।

शनि उपासक दांती महाराज ने किया अनुष्ठान

शनि उपासक संत दाती महाराज नवग्रह मंदिर परिसर में अपने अनुष्ठान के माध्यम से शनि ग्रह की उपासना कर आयोजन को सार्थकता दी। उन्होंने भक्तों के जीवन से शनि दोष दूर करने के लिए विशेष मंत्रोच्चार किए। उनके आशीर्वचनों ने श्रद्धालुओं में आस्था और भक्ति को और अधिक प्रगाढ़ किया।

लाखों श्रद्धालुओं ने किया जीवन धन्य

इस महोत्सव के दौरान दी गई आध्यात्मिक शिक्षा और समाज में धार्मिक चेतना का संचार इस क्षेत्र में आने वाले समय तक रहेगा। श्रद्धालुओं ने इस अवसर का लाभ उठाकर अपने जीवन को धन्य किया। इस ऐतिहासिक आयोजन से जो धार्मिक ऊर्जा और आध्यात्मिक जागरूकता पैदा हुई, वह आने वाले वर्षों तक श्रद्धालुओं के दिलों में रहेगी।

ज़ाइडस लाइफ़ साइंसेज ने भारत में पहली बार लॉन्च की किफायती, ड्रग-फ्री हैंडहेल्ड सांस की डिवाइस पेपेअर'टीएम

भोपाल। एक इनोवेशन-आधारित इंटरनेशनल लाइफ-साइंसेज कंपनी, ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज लिमिटेड (अपनी सहायक/संबद्ध कंपनियों सहित, जिसे आगे 'ज़ाइडस' कहा गया है), ने पेपेअर'टीएम लॉन्च किया है। यह भारत का पहला किफायती ऑसिलेटिंग पॉजिटिव एक्सपायरेटरी प्रेशर (ओपीईपी) डिवाइस है, जिसमें 3-रेज़िस्टेंस सिस्टम दिया गया है। यह डिवाइस सीओपीडी, अस्थमा और ब्रोन्किइक्टेसिस से पीड़ित मरीजों में छाती की जकड़न कम करने, बलगम साफ करने और सांस लेने में सुधार करने में मदद करता है। पेपेअर'टीएम एक इनोवेटिव, ड्रग-फ्री, हैंडहेल्ड डिवाइस है, जिसका डिजाइन पेटेंटेड है। भारत में 90 लाख से अधिक मरीज गंभीर सांस के रोगों से पीड़ित हैं। इन मरीजों में अत्यधिक और लगातार बलगम बनना एक आम समस्या है, जिसके लिए रोज़ाना उपयोग योग्य एयरवे क्लीयरेंस समाधान की आवश्यकता होती है। पेपेअर'टीएम को ऐरोडेल टेक्नोलॉजी इन्नोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौते के तहत लॉन्च किया जा रहा है। यह एक भारतीय मेडिकल डिवाइस कंपनी है, जो ड्रग-डिलीवरी पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन को सरल बनाने पर काम करती है। रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए, ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज ने पेपेअर'टीएम को किफायती कीमत 990 रुपये प्रति यूनिट में उपलब्ध कराया है।

लॉन्च के अवसर पर ज़ाइडस

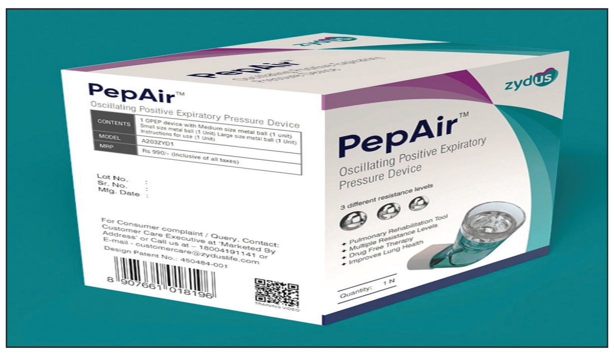

लाइफ़साइंसेज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर शर्विल पटेल ने कहा, 'ज़ाइडस में पेशेंट-सेंट्रिक इनोवेशन का मतलब है स्वास्थ्य सेवाओं को इस तरह आगे बढ़ाना, जिससे रोज़मर्रा की देखभाल मरीजों के लिए अधिक सुलभ हो सके। पेपेअर'टीएम के साथ, जो भारत का पहला किफायती ओपीईपी डिवाइस है, हम एक ड्रग-फ्री, हैंडहेल्ड समाधान पेश कर रहे हैं, जिसे सीओपीडी, अस्थमा और ब्रोंकिएक्टेसिस से पीड़ित मरीजों की बेहतर सांस लेने में मदद के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस लॉन्च के माध्यम से हम श्वसन स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों का विस्तार करने के लिए उत्साहित हैं। 'ओपीईपी एक ऐसी थेरेपी है, जिसमें हैंडहेल्ड वाली पारदर्शी डिवाइस उपयोग की जाती है। यह सांस छोड़ते समय दबाव और कंपन पैदा करता है, जिससे जमे हुए बलगम को ढीला करने, श्वसन नलिकाओं को खोलने और बलगम को बाहर निकालने में मदद मिलती है। पेपेअर'टीएम क्षतिग्रस्त म्यूकोसिलियरी मार्गों को साफ करने, वायुमार्ग में रुकावट दूर करने, खांसी कम करने और बेहतर चिकित्सीय परिणाम देने में सहायक है। क्लिनिकल दिशानिर्देशों में ओपीईपी आधारित एयरवे क्लीयरेंस की सिफारिश की गई है, लेकिन व्यवहार में इसकी सीमित किफायती उपलब्धता के कारण बड़ी संख्या में मरीज इससे वंचित रह जाते हैं। पेपेअर'टीएम इसी पहुंच की कमी को दूर करने का प्रयास करता है।

भारत में श्वसन रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके पीछे अत्यधिक और लगातार वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन के कारण एलर्जी कारकों और ओज़ोन में बदलाव, तेज़ शहरीकरण, और फेफड़ों की पुरानी बीमारियों की देर से पहचान जैसे कई कारक मौजूद हैं।

ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज भारत की मुख रेस्पिरेटरी दवा कंपनियों में से एक है, जिसका ओरल और इनहेलेशन थेरेपी में लंबा अनुभव है। कंपनी ओरल ब्रोंकोडायलेटर सेगमेंट में डेरिफीलिन0 के साथ अग्रणी है, जो भारत में सबसे अधिक लिखी जाने वाली मिथाइलजैंथीन दवाओं में से एक है। इसी आधार पर ज़ाइडस ने इनहेलेशन पोर्टफोलियो में भी मजबूत उपस्थिति बनाई है, जिसमें इनहेल्ड कॉर्टिकोस्टेरॉइड (आईसीएस) + लॉन्ग-एक्टिंग बीटा2-एगोनिस्ट (एलएबीए), एलएबीए + लॉन्ग-एक्टिंग मस्कैरेनिक अंटागोनिस्ट (एलएएमए), और सिंगल इनहेलर ट्रिपल थेरेपी (एसआईटीटी) शामिल हैं। कंपनी ने फोर्ग्लिन0 के साथ सबसे पहले एलएबीए+एलएएमए पेश किया और फोर्ग्लिन0 प्लस के साथ एसआईटीटी की शुरुआत की। इसके बाद इनोवेशन जारी रखते हुए, रोज़ाना एक बार ली जाने वाली ट्रिपल थेरेपी जैसे ओडिहेल0जी और यूमीफ्लो0 प्लस भी लॉन्च की गईं।

भारत को AI का उपभोक्ता नहीं, मालिक बनना होगा : जीत अदाणी

साल 2035 तक 8.3 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सदी में भारत को सिर्फ टेक्नोलॉजी का उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि उसे बनाने और नियंत्रित करने वाला राष्ट्र बनना होगा। यह बात अदाणी ग्रुप के डायरेक्टर जीत अदाणी ने इंडिया AI समिट 2026 में कही। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि AI अब केवल तकनीकी बदलाव नहीं है बल्कि यह राष्ट्रीय संप्रभुता, आर्थिक शक्ति और वैश्विक प्रभाव का नया आधार बनने जा रहा है।

इस दौरान उन्होंने अदाणी ग्रुप के चेयरमैन द्वारा हाल ही में की गई 8.3 लाख करोड़ रुपये निवेश की घोषणा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह निवेश भारत में ग्रीन एनर्जी आधारित AI इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए है, जो देश को AI के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसे भारत के तकनीकी इतिहास का एक परिवर्तनकारी कदम बताया।

जीत अदाणी ने कहा कि इतिहास में हर युग को एक तकनीक ने परिभाषित किया है। बिजली ने उद्योगों को गति दी, तेल ने वैश्विक राजनीति की दिशा तय की और इंटरनेट ने पूरी अर्थव्यवस्था को बदल दिया। अब वही भूमिका AI निभाने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के सामने असली सवाल यह नहीं है कि वह ढ्ढ अपनाएगा या नहीं, बल्कि यह है कि भारत अपनी बुद्धिमत्ता खुद बनाएगा या दूसरे देशों की बनाई प्रणाली पर निर्भर रहेगा।

उन्होंने ये भी कहा कि भारत का उदय किसी पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए नहीं है, बल्कि दुनिया में संतुलन और स्थिरता लाने के लिए है। भारत जब तकनीक बनाता है तो उसका उद्देश्य नियंत्रण नहीं, बल्कि समावेश होता है। लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी कि क्षमता के बिना समावेश कमजोरी बन जाता है और संप्रभुता के बिना क्षमता विदेशी निर्भरता में बदल जाती है। जीत अदाणी ने भारत की AI शक्ति के तीन प्रमुख स्तंभ बताए- सम्पूर्ण ऊर्जा, क्लाउड पर संप्रभुता और असीमित सेवा।

उन्होंने कहा कि AI को चलाने के लिए सबसे जरूरी चीज बिजली है। AI सिस्टम भारी मात्रा में ऊर्जा का उपयोग करते हैं और अगर बिजली व्यवस्था कमजोर होगी तो देश की AI क्षमता भी कमजोर होगी। उन्होंने कहा कि भारत में सोलर और विंड एनर्जी का विस्तार अब केवल पर्यावरण संरक्षण का विषय नहीं है बल्कि यह राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा बन चुका है। आने वाले समय में देश में ऐसे बड़े केंद्र विकसित होंगे जहां ग्रीन एनर्जी और AI डाटा सेंटर एक साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ क्लाउड है। पहले देश अपनी सुरक्षा के लिए सेना और नौसेना बनाते थे, आज के डिजिटल युग में डेटा सेंटर और कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर उतने ही महत्वपूर्ण हो गए हैं। अगर भारत का डेटा और AI सिस्टम विदेशों में रहेगा तो भारत की रणनीतिक ताकत भी बाहरी नियंत्रण में रहेगी। इसलिए भारत को अपने देश में ही बड़े पैमाने पर डाटा सेंटर और AI इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा, ताकि देश की डिजिटल संप्रभुता सुरक्षित रह सके। तीसरे स्तंभ के रूप में उन्होंने सेवाओं की संप्रभुता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि AI क्रांति के दौरान भारत ने पूरी दुनिया को सेवाएं दीं, लेकिन उसका आर्थिक लाभ ज्यादा भारत के बाहर गया। AI भारत को यह स्थिति बदलने का ऐतिहासिक अवसर दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का AI सबसे पहले भारतीय किसानों की मदद करे, शिक्षा को बेहतर बनाए, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करे, लॉजिस्टिक्स और उद्योग को अधिक सक्षम बनाए और छोटे शहरों और गांवों तक विकास पहुंचाए। जीत अदाणी ने भावनात्मक अंदाज में कहा कि उनकी पीढ़ी को आजादी विरासत में मिली है, लेकिन अब उसे मजबूत और सुरक्षित करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक राष्ट्रवाद का मतलब केवल शब्द नहीं, बल्कि क्षमता, मजबूती और क्रियान्वयन है।

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाली AI सदी भारत की पहचान के साथ जुड़ी होगी। उन्होंने कहा कि भारत केवल इस बदलाव का हिस्सा नहीं बनेगा, बल्कि उसका नेतृत्व करेगा। भारत का लक्ष्य दुनिया को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि उसे स्थिरता देना और ऐसी तकनीक बनाना है जो पूरी मानवता के लिए उपयोगी हो।

मन की शांति के लिए जीवन में आध्यात्मिकता जरूरी: प्राचार्य डॉ. शर्मा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

विजयपुर। जिला कलेक्टर अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में तथा सामाजिक न्याय विभाग एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग श्योपुर द्वारा ब्रह्माकुमारी विजयपुर के सहयोग से गौरवपूर्ण वृद्धावस्था अभियान 7 फरवरी से विजयपुर क्षेत्र में अनवरत रूप से चल रहा है

गौरवपूर्ण वृद्धावस्था अभियान के तहत गुरुवार को शासकीय महाविद्यालय विजयपुर में प्रातः 11:00 बजे राजयोग व मेडिटेशन सत्र के बारे में कार्यशाला आयोजित हुई, कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ सुभाष शर्मा ने बताया कि गौरवपूर्ण वृद्धावस्था अभियान समय की मांग है तथा वर्तमान समय में जिस तरह के हालात परिवारों तथा समाज में बन रहे हैं, इसका कारण पाश्चात्य

संस्कृति है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में राजयोग जीवन शैली होना बहुत जरूरी है, जो की मन की शांति के लिए भी अति आवश्यक है

अभियान प्रभारी बीके शशि बहन ने अभियान के उद्देश्यों के बारे में बताया तथा गौरवपूर्ण वृद्धावस्था अभियान के तहत पिछले 13 दिनों से विजयपुर क्षेत्र के गांवो में सेवाएं की जा रही , सेवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि आमजन तथा युवाओं तथा माता बहनों में निश्चित रूप से सकारात्मक परिवर्तन आएगा तथा वृद्ध जनों के प्रति सम्मान तथा आदर का भाव की जागरूकता भी आएगी शासकीय महाविद्यालय के कार्यक्रम प्रभारी डॉक्टर डॉ अंकिता कमाले, केमेस्ट्री प्रोफेसर डॉ मनोज कुमार भारद्वाज ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया तथा बताया कि ब्रह्मा कुमारीज के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम सराहनीय है, कार्यक्रम में डॉ दीपशिखा, डॉ मनीष सिंह,डॉ हरिचरण, डॉ आदित्य सक्सेना व महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे, तत्पश्चात अभियान बांगरोद रोड स्थित शासकीय अनुसूचित जाति बालक छात्रावास विजयपुर पहुंचा जहां पर छात्र-छात्राओं को बुजुर्गों के तथा सीनियर सिटीजन के प्रति सम्मान व आदर करने को लेकर प्रेरणादायक उद्बोधन बी के प्रकाश भाई द्वारा दिया गया छात्रावास अधीक्षक वह अन्य कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे।

एमिटी विश्वविद्यालय में जीएमए (एआईएमए) के स्टूडेंट चैप्टर का उद्घाटन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। एमिटी विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश और ग्वालियर मैनेजमेंट एसोसिएशन के बीच विश्वविद्यालय परिसर में स्टूडेंट चैप्टर प्रारंभ करने के लिए MOU हो रहा है। ग्वालियर मैनेजमेंट एसोसिएशन ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन नई दिल्ली से संबद्ध एक प्रतिष्ठित संस्था है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना और उन्हें उद्योग जगत से जोड़ना है।

इस अवसर पर ग्वालियर मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट तथा मध्यप्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रेसिडेंट डॉ. प्रवीण अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। उनके साथ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. मनोज पटवर्धन, सेक्रेटरी श्याम अग्रवाल और जॉइंट सेक्रेटरी मोहित वर्मा भी उपस्थित रहेंगे। सभी अतिथियों ने इस समझौते को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रभावी पहल बताया।

एमिटी विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) आर. एस. तोमर ने इस पहल को महत्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी. के. शर्मा (एवीएसएम, सेवानिवृत्त) ने भी इस सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयोगी बताया।

इस अवसर पर हेड ऑफ इंस्टीट्यूशन प्रो. (डॉ.) नविता नाथानी उपस्थित रहेंगी। इसके साथ ही सत्र में प्रो. (डॉ.) एम. पी. कौशिक, रजिस्ट्रार डॉ. राजेश जैन, डॉ. कुलदीप द्विवेदी (डीन अकैडमिक्स) तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। सत्र में विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव द्विवेदी और विभागाध्यक्ष डॉ. आस्था जोशी सहित फैकल्टी सदस्य भी मौजूद रहेंगे।

इस समझौते के माध्यम से विश्वविद्यालय में स्टूडेंट चैप्टर की स्थापना की जाएगी। यह पहल विद्यार्थियों को उद्योग से जोड़ने में सहायक होगी। इससे उनके कौशल विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। यह समझौता अकादमिक और औद्योगिक सहयोग को और अधिक मजबूत बनाएगा।

श्यामाचरणजी को पचमढ़ी से अगाध प्रेम था

कुशल प्रशासक थे श्यामाचरणजी

श्यामाचरणजी- एक ऐसा ही अनकहा व्यक्तित्व रहा है जिसने विरासतों की परंपराओं को अपनी निष्ठाओं की पहचान देकर गति दी है. राजनैतिक क्षमताओं, प्रशासकीय दूरदर्शी, निपुणताओं और युगीन व्याप्त उहापोहो के बीच सामंजस्य बनाए हुए जहां अपनी ऊर्जा को एक पहचान दी वहीं लौकिकताओं से परे समय-समय पर अपने अंतरमन के सौंदर्य को भी विविध सोपानों पर अपनी पहचान दी है. व्यक्ति की लौकिक क्रियाशीलता तो सबके सामने सहज ही आ जाती है. पर इन सबके बीच अंतरमन की सुगंध को पहचानने के लिये अनुभूतियों की धरती आवश्यक होती है ।

मौत उसकी है- करे जिसका जमाना अफसोस यूं तो 'सोनू' सभी आये हैं- मरने के लिए.

और जमाना केवल उनका अफसोस करता है जो जीवन में, जीवन मूल्यों के लिए, जन के लिए और जमाने के लिए जीते है.

श्यामाचरणजी एक ऐसा ही अन्तकहा व्यक्तित्व रहा है जिसने विरासतों की परंपराओं को अपनी निष्ठाओं की पहचान देकर गति दी है. राजनैतिक क्षमताओं, प्रशासकीय दूरदर्शी, निपुणताओं और युगीन व्याप्त उहापोहो के बीच सामंजस्य बनाए हुए जहां अपनी ऊर्जा को एक पहचान दी वहीं

लौकिकताओं से परे समय- समय पर अपने अंतरमन के सौंदर्य को भी विविध सोपानों पर अपनी पहचान दी है. व्यक्ति की लौकिक क्रियाशीलता तो सबके सामने सहज ही आ जाती है. पर इन सबके बीच अंतरमन की सुगंध को पहचानने के लिये अनुभूतियों की धरती आवश्यक होती है.

मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में स्व पं. रविशंकर जी का विशिष्ठ स्थान रहा है. प्रदेश की पूर्व राजधानी नागपुर के साथ प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी कहीं जाने वाली पचमढ़ी से भी उनका अंतरंग लगाव, अप्रतिम अविस्मरणीय रहा है. म.प्र. की नयी राजधानी का उपक्रम भी इसी अवधि में पचमढ़ी में ही संपन्न हुआ था. मेरे दादाश्री स्व. पं. श्रीपरमानंद जी दुबे से श्री शुक्लजी के घनिष्ठ अंतरंग संबंध थे. उस समय मैं अल्प आयु तो था ही श्री विद्याचरण और श्यामाचरण जी भी शैशवास्था में ही थे. गर्मी में श्री रविशंकर जी का सपरिवार निवास पचमढ़ी स्थित मुख्यमंत्री आवास' चम्पक' में ही रहता था. दो बुजुर्गों के मिलने का अवसर मिल जाता था. आज तो अतीत का यह सम्मेलन में हमें बच्चे कहे जाने वालों का भी इसके बीच स्वर्णिम पृष्ठ विस्मृत अध्याय बनकर रह गया है.

समय के परिवर्तन के साथ राजनीति में भी इसकी लहर आई और मध्यप्रदेश की गतिविधियों ने वह समय भी साकार किया जब श्यामचरण जी म.प्र. के युवा मुख्यमंत्री बने. पिता श्री शुक्लजी के समान ही, श्यामाचरण को भी पचमढ़ी से गहरा अंतरंग लगाव था. अपने बचपन से जुड़ी घटनाओं के लोकप्रिय नयनाभिराम प्रकृति स्थलों को जरा भी नहीं भूले थे.

इस संदर्भ में कुछ स्मरणीय अछूती घटनाओं का उल्लेख प्रासंगिक होगा। बड़े महादेव की एक घटना मुख्यमंत्री के रूप मे चाचा श्री रमेश कुमार दुबे 'शास्त्री' कुछ समय पूर्व ही बड़ा महादेष के पुजारी नियत किये गये थे. मेरे अनुज ने श्यामाचरण जी का पूजन व अभिषेक संपन्न कराया. मुख्यमंत्री महोदय इस पूजन अर्चन से भाव विभोर हो गए और प्रसन्न मन से श्री रमेश दुबे से बोले पंडित जी मैं बहुत प्रसन्न हूं. आज आप जो भी मांगोगे- मैं आपको दूंगा. मेरे चाचाजी ने सहज मन से कहा- मुझे कुछ नहीं चाहिए. यदि आप प्रसन्न है तो महादेव में बिजली लगवा दीजिए, पल भर को श्यामाचरण जी स्थिर हो गए, गंभीर भाव से बोले- पंडित जी जरा मेरे साथ आइये और दोनों पूजा स्थल से उस स्थान पर आये जहां गुफा के प्रवेश द्वार के पास नंदी जी की मूर्ति आज भी स्थापित है वहां खड़े होकर श्यामाचरण जी बोले- पंडितजी जरा देखिए 'गुफा के कुंड के शांत जल में शंकरजी के सामने जलते दीपक का कैसा मनोहारी प्रतिबिंब प्रतिबिंबित होकर जल राशि से अठखेलियां कर रहा है. इसका शांत निर्मल सौंदर्य स्वर्गोपम है. यदि यहां बिजली लग जायेगी तो भला यह शांत सौंदर्य कैसे प्राप्त होगा. आपने जो कहा है- मैं उसे अवश्य पूरा करूंगा. बिजली तो लगेगी पर महादेव स्थल तक, गुफा में नहीं.

दूसरी घटना पुरानी पचमढ़ी के मैदान (चम्पक के निकट) में अंग्रेजों के द्वारा लोकप्रिय खेल 'गाफ' के बीच विश्राम के लिये पाइन और कर जाति के वृक्षों का एक झुंड लगाया गया है. वह आज भी स्थित है, इस खुले प्रांगण में धूपगढ़ महादेव के साथ चतुर्दिक बिखरी पर्वत मालाओं के नयनाभिराम सौंदर्य के बीच इन वृक्षों की शोभा भी अप्रतिम है. पचमढ़ी के महाशून्य में आज भी रविशंकर जी और श्यामाचरण जी की पदचापों की प्रतिध्वनि देश रत्न और शंकरदयाल शर्मा की निर्विकार सहजता के साथ कभी- कभी अरण्यरोदन बनकर बिखर जाती है.

प्रस्तुति
डॉ. मनोज दुबे
लेखक सीनियर वरिष्ठ पत्रकार हैं

अम्बाह के कुछ सेंटरों पर चल रही है नकल, जिम्मेदार नहीं कर रहे कार्यवाही?

फोटो सेंटर 1 व 2

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के चलते जिला कलेक्टर के आदेशों हवा में उड़ाया जा रहा है और उन पर जिला कलेक्टर के आदेशों का कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है । शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों की मिली भगत से रातों-रात केंद्र अध्यक्ष बदल दिए गए और मनमानी तरीके से उन्हें पदस्थ कर दिया गया । गुरुवार को जिले की अंबाह तहसील से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक युवक नकल फेंकते हुए दिखाई दे रहा है । जिले की अंबाह, पोरसा, जोरा, कैलारस, सबलगढ़ तहसील में जमकर नकल चल रही है, लेकिन प्रशासन को यहां नकल दिखाई नहीं दे रही । इधर तमाम पुरुष एवं महिला पर्यवेक्षकों की ड्यूटी 20 किलोमीटर दूर बानमौर क्षेत्र में लगा दी गई है, जिससे उनके आगे परेशानियां खड़ी हो गई है । इस तरह शिक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मचारी जिला कलेक्टर के आदेशों पर भारी पड़ रहे हैं और उनके द्वारा जमकर मनमानी की जा रही है ।

गुरुवार को जिले की अंबाह तहसील के शांति निकेतन स्कूल में खलेआम नकल का बोल वाला देखने को मिला और वहां सरेआम नकल फेंकी जा रही थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है । उल्लेखनीय बात है कि अभी तक अधिकांश नकलची एवं फर्जी परीक्षार्थी जिले की अंबाह, पोरसा, जोरा, सबलगढ़ तहसील में ही देखने को मिले हैं, जहां प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है । ऐसा लगता है कि जिला प्रशासन एवं कलेक्टर को शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारी गुमराह कर रहे हैं और अपने मंसूबों में सफल हो रहे हैं । बुधवार को जारी हुई स्थानांतरण सूची में रातों-रात केंद्र अध्यक्ष बदल दिए गए, इससे परीक्षा व्यवस्था गड़बड़ा गई है । सूत्रों के अनुसार जिन परीक्षा केंद्रों पर केंद्र अध्यक्ष ईमानदारी से परीक्षाएं संपन्न करा रहे थे, उनको भी भ्रष्ट सिस्टम ने बदल दिया है और शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारी जिला कलेक्टर को लगातार गुमराह कर रहे हैं । यही नहीं कई पर्यवेक्षकों को रातों-रात बदलकर उनकी ड्यूटी 20 किलोमीटर दूर लगा दी गई, जिसके कारण पुरुष एवं महिला पर्यवेक्षकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । सूत्र बताते हैं कि कुछ दलाल एवं फर्जी टाइप के लोगों द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को गुमराह किया जा रहा है, ताकि वह अपने मकसद में सफल हो सके और उनका ध्यान भी भटकाया जा रहा है, जिससे उनके सेंटरों पर धड़ल्ले से नकल चल सके । सूत्र बताते हैं कि शांति निकेतन अंबाह में भारी अव्यवस्था है, वहां पर खुलेआम नकल फेंकी जा रही हैं। कमरे के अंदर चले जाओ तो बाहर से नकल आ जाती है, बाहर आ जाओ तो वॉशरूम से। शांति निकेतन अंबाह पर एसीएस का कहना है मोबाइल जमा करवाना हमारी जिम्मेदारी नहीं है तथा परीक्षा के दौरान कुछ लोग मोबाइल फोन लिए घूम रहे हैं।

मानपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

-शिक्षा भी जरूरी लेकिन पहचान दिलाते हैं संस्कार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। जीवन में शिक्षा का भी महत्व काफी है, लेकिन पहचान तो आपकी संस्कार दिलाते हैं। यह कहना था वरिष्ठ पत्रकार जगदीश शुक्ला का। अवसर था जवाहर नवोदय विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के उद्घाटन का। गोद लिए मानपुर गांव में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के उद्घाटन अवसर पर अपनी बात करते हुए हुए वरिष्ठ पत्रकार जगदीश शुक्ला ने यह भी कहा कि आप सभी छात्र-छात्राओं को अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए, जिससे कि सफलता आपके कदम चूमे। श्री शुक्ला का यह भी कहना था कि आपके संस्कार आपको शिक्षा से अधिक कहीं प्रतिष्ठा और पहचान दिलाते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एच.एन. हाडा एवं महाविद्यालय के प्रो.

विनोद सिंह कुशवाहा ने अपनी बात कहते हुए कहा कि इस तरह की शिविरों से बच्चों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। गांव के ग्रामीणों का जीवन कैसा है? उनकी गतिविधियां कैसी रहती हैं? यह सब आप सभी बच्चे ग्रामीणों से सीख सकते हैं। श्री हाडा का भी कहना था कि आप सभी बच्चे ग्रामीणों से मिलेंगे, उनका साफ-सफाई के लिए प्रेरित भी करेंगे। साफ-सफाई रहेगी तो बीमारियां नहीं होंगी। छोटी उम्र में बेटी-बेटा की शादी नहीं करें, यह भी आप ग्रामीणों को समझाएं। बालिग होने पर ही बच्चों की शादी करें। यह सब महत्वपूर्ण बातें आप राष्ट्रीय सेवा योजना के ऐसे ही शिविरों से सीख सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित डिग्री कॉलेज जन भागीदारी के पूर्व अध्यक्ष पूर्व पार्षद जयप्रकाश पाराशर ने बच्चों से यही कहा कि सात दिवसीय शिविर आपके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन शिविरों से अच्छे संस्कार भी सीखने को मिलते हैं। शिविर के प्रभारी रामलखन सिंह ने बताया कि इस मानपुर गांव को जवाहर नवोदय विद्यालय द्वारा गोद लिया गया है, जिसमें आज से इस राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के दौरान गांव में साफ-सफाई सहित अन्य कार्यक्रम बच्चों के द्वारा किए जाएंगे। शिविर का संचालन जवाहर नवोदय विद्यालय के अंग्रेजी विषय की शिक्षक अशोक कुमार शर्मा ने किया। इस शिविर में शासकीय डिग्री कॉलेज के प्रो. सुधीर कुमार पाठक, योगेंद्र उपाध्याय, पत्रकार चंद्र मोहन शर्मा, नवोदय विद्यालय के आशुतोष तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, वन्य सिंह, प्रज्ञा चौहान, एसके दीक्षित, बासुदेव शर्मा, नेतराम सिंह, ललित शर्मा, विद्यालय के प्राचार्य रामनरेश शर्मा, समन्वय हरिशंकर कंसाना सहित छात्र-छात्राएं ग्रामीण भी उपस्थित रहे। इससे पूर्व अतिथियों द्वारा विवेकानंद जी एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पूजा अर्चना भी की गई। आभार रामलखन सिंह एवं एसके दीक्षित ने व्यक्त किया।

वॉलीबॉल में सुमावली ने मारी बाज़ी, बिलगांव चौधरी करती रही संघर्ष

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। युवा मंत्रालय खेल विभाग भारत सरकार मेरा युवा भारत केंद्र मुरैना के जिला युवा अधिकारी आशुतोष साहू के मार्गदर्शन में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आए हुए मुख्य अतिथि भारतीय स्टेट बैंक सुमावली शाखा प्रबंधक विवेक शर्मा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुमावली से प्राचार्य श्रीमती शांति खालखो, कार्यक्रम के अध्यक्ष जिला समिति सदस्य युवा भारत सोनू खटीक, विशिष्ट अतिथि प्रवीण शर्मा, पवन शर्मा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं गतिविधि ग्यासीराम युथा क्लब सुमावली से कैलाश शर्मा, कार्यक्रम का संचालन रामविलास शर्मा, अतिथिगण रामभजन कुशवाह, दूध संघ से बलराम शर्मा इस गेमों के कोच के रूप में बृजमोहन शर्मा, वहीं

मंचासीन अतिथियों के द्वारा युवा जन को संबोधन करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और साथ ही उनको ज्यादा से ज्यादा खेल में समर्पित होने के लिए उत्साहित किया। आजकल के बच्चे मोबाइल को ज्यादा देखते हैं उससे ज्यादा खेल भावना पर ज्यादा प्रभावित हो रही है, वहीं अध्यक्ष के द्वारा सरकार के द्वारा दी जाने वाली सभी गतिविधियों को उल्लेख किया और युवाओं को बताया कि भारत सरकार आपके लिए क्या-क्या योजना लेकर चल रही है, जिससे आपका पूर्ण विकास और युवाओं को मार्गदर्शन मिले। इस कार्यक्रम में वॉलीबॉल जयेश्वर मंदिर सुमावली क्लब के द्वारा प्रथम विजेता के रूप में रही, वहीं उपविजेता टीम बिलगांव चौधरी दौड़ में सुंदर कुशवाह सहदपुर प्रथम स्थान प्राप्त किया। निकेश कुशवाह द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आशिक कुशवाह दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त किया। पुरुष गोला फेंक में नायडू उर्फ लल्ला यादव, गोला फेंक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान अजय शर्मा, तृतीय स्थान विक्रम गुर्जर, वहीं महिलाओं के द्वारा भी इस खेल में भाग लिया गया, जिसमें दौड़ में प्रथम स्थान चांदनी कुशवाह, द्वितीय स्थान छाया कुशवाह, तृतीय स्थान खुशी गुर्जर, रस्सीकसी में सुमावली ऑक्सफोर्ड हाई सेकेंडरी स्कूल की टीम विजय रही। द्वितीय विजेता टीम कृष्णा कॉन्वेंट स्कूल टिकटोली, वहीं गोला फेंक में प्रथम स्थान, संजना मोंगिया, चांदनी कुशवाह द्वितीय स्थान, तृतीय स्थान नंदिनी गौड़, कार्यक्रम के समापन के द्वारा सभी लोगों का आभार व्यक्त ग्यासीराम संस्था के संचालक के द्वारा की गई।

प्रधान जिला न्यायाधीश अजय प्रकाश मिश्र ने 14 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत के संबंध में ली बैठक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार दिनांक 14 मार्च 2026 शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अजय प्रकाश मिश्र ने जिला अभिभाषक संघ देवास में अधिवक्तागणों के साथ बैठक आयोजित की।

बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अजय प्रकाश मिश्र ने अधिववक्तागणों को संबोधित करते हुए कहा कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालय के साथ-साथ अधिवक्तागण का भी विशेष सहयोग एवं भूमिका रहती है कि वह पक्षकारों को नेशनल लोक अदालत में राजीनामा हेतु प्रेरित कर सकते है। साथ ही नेशनल लोक अदालत में अधिकाशतः मामले जैसेः- मोटर दुर्घटना दावा, राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, धारा 138 चैंक बाउंस, एवं वैवाहिक मामलों में विशेष रूप से राजीनामा की संभावना अधिक रहती है।

बैठक में विशेष न्यायाधीश/प्रभारी नेशनल लोक अदालत, श्री विकास शर्मा, श्री उमाशंकर अग्रवाल प्रथम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री अभिषेक गौड़ पंचम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री राजेन्द्र कुमार पाटीदार तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री उत्तम कुमार डार्बी अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री प्रसन्न सिंह बहरावत चतुर्थ अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, डॉ. श्री रविकांत सोलंकी अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री भारत सिंह कनेल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री नीलेन्द्र कुमार तिवारी व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, श्री कुंवर युवराज सिंह पंचम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड देवास, श्रीमती निकिता वार्ष्णेय पाण्डे षष्टम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड देवास, श्री प्रियांशु पाण्डे सप्तम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड देवास, श्री सौरभ जैन अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड देवास, श्रीमती चंद्रा पंवार पंचम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड देवास, सुभाष चौधरी जिला विधिक सहायता अधिकारी देवास एवं अशोक वर्मा, अध्यक्ष जिला अभिभाषक संघ देवास सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों का निराकरण कराने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों एवं प्रिलिटिगेशन प्रकरणों एवं बैंक रिकवरी के प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार विशेष छूट दी जाएगी।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अजय प्रकाश मिश्र ने अधिवक्तागणों से अपील की कि अधिवक्तागण विशेष रूप से रूचि लेकर नेशनल लोक अदालत में पक्षकारों को समझाईश दे कि राजीनामा के आधार पर मामले का शीघ्र और बिना किसी व्यय के निराकरण होता है और पक्षकारों के बीच प्रेम और स्नेह बना रहता है। पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष की लोक अदालतों में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराया जावे। नेशनल लोक अदालत में सिविल एवं चैक अनादरण से संबंधित प्रकरणों में न्यायशुल्क की राशि की नियमानुसार वापसी होती है जिससे पक्षकारों को अतिरिक्त लाभ होता है। अतः अधिक से अधिक पक्षकार इस अवसर का लाभ उठायें।

देवास शहर में महिलाओं के मंगल सूत्र लूटने की दो अलग-अलग सनसनीखेज वारदातें करने वाला अंतर-राज्यीय गिरोह 40 दिनों के अथक परिश्रम उपरांत गिरफ्तार

-देवास की दो वारदातों के साथ-साथ रतलाम में घटित वारदात को भी देवास पुलिस ने किया ट्रेस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। 08 जनवरी 2026 को फरियादिया रुकमणी शर्मा निवासी राधागंज द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह अपने पोते को किंडर स्कूल राधागंज, देवास से घर लेकर लौट रही थी तभी मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसके गले से सोने की चेन झपट ली । उक्त घटनाक्रम को त्वरित संज्ञान में लेकर देवास पुलिस आरोपियों की तलाश में संलग्न हुई,इसी दौरान 19 जनवरी 2026 को एक अन्य फरियादिया उषा नवरंगे मंदिर जाते समय चेन स्नैचिंग की शिकार हुई । दोनों घटनाओं पर थाना बैंक नोट प्रेस में क्रमशः अपराध क्रमांक 14/2026 एवं 35/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई । घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा चेन स्नैचिंग के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था । जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक(एल/आर) संजय शर्मा के निर्देशन में तत्कालीन थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस अमित सोलंकी एवं थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस श्रीमति प्रीति कटारे के नेतृत्व में कुल 04 विशेष टीमों का गठन किया गया । विशेष टीमों के द्वारा तकनीकी साक्ष्य,भौतिक साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय कर आस-पास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज चेक किये गये । 'ऑपरेशन त्रिनेत्रम' में जनसहयोग से लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरों की फुटेज का विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान की गई। लगभग 800 से अधिक कैमरों की फुटेज खंगाली गई,तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों का अंतर्राज्यीय स्तर पर पीछा करते हुए उड़ीसा एवं सूरत में दबिश देकर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने उक्त चेन स्नैचिंग की घटनाएं करना स्वीकार किंया । आरोपियों द्वारा जिला रतलाम में भी दिनांक 18जनवरी2026 को चेन स्नैचिंग की घटना कारित की गई थी जिस पर थाना स्टेशन रोड रतलाम पर अपराध क्रमांक 38/19जनवरी 2026 का पंजीबद्ध है । आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

जप्त सामग्री

02 सोने की चेन कीमत लगभग 4.50 लाख,सोने का पेंडेंट कीमत लगभग 60,000/-,02 मोटरसाईकल कीमत 90,000/-,मोबाईल फोन कीमत 45,000/- कुल मश्रुका कीमत 6,45,000/- का जप्त ।

गिरफ्तार आरोपी

01.कान्हु चरण बधई पिता घनश्याम बधई उम्र 30 साल निवासी ग्राम झिटीकाबाड़ी पोस्ट खंडरु जिला गंजम उड़ीसा हाल मुकाम शांति मोहल्ला जिला सूरत(गुजरात) ।

02.धवल कुमार पारेख पिता दिनेश भाई पारेख उम्र 42 साल निवासी म.न 302 रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सयान सूरत(गुजरात) ।

03.रेखाबाई पति धवल कुमार पारेख उम्र 40 साल निवासी कृष्णा कॉम्पलेक्स फ्लेट क्रमांक बी 401 सूरत (गुजरात) ।

इनका रहा सराहनीय कार्य

सराहनीय कार्य मे थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस श्रीमति प्रीति कटारे,थाना प्रभारी नाहर दरवाजा अमित सोलंकी,उनि गोपाल चौधरी,राहुल परमार, गौरीशंकर यादव,कृष्णा सूर्यवंशी,सउनि ईश्वर सिंह मण्डलोई,कमल सिंह ठाकुर,प्रआर अशोक जोसवाल,कुलदीप सिकरवार,धर्मेन्द्र चित्तोड़िया,हिमांशु कुशवाह,आर दीपेन्द्र शर्मा,संदीप यादव,दीपक वर्मा,महिला आरक्षक मोनिका चौहान, सपना राजपूत,ज्योति कुमावत,लाड़कुंवर राजपूत,शिवानी कुशवाह थाना बैंक नोट प्रेस एवं इंचार्ज थाना प्रभारी पलसोरा कौशिक मांझी,सउनि रमन कुमार सबारा,प्रआर प्रताप प्रधान,आर मरकंडा बेहरा थाना पलसोरा जिला गंजम (उड़ीसा),थाना ओलपद सूरत(गुजरात) से आर श्रवण ,अमृत ,जय सिंह,गुलाब सिंह,भरत ,ओदा भाई एवं सायबर सेल देवास से प्रआर शिवप्रताप सिंह सेंगर,सचिन चौहान एवं मआर नैना खान की सराहनीय भूमिका रही।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडियारास नवनिर्मित भवन में शीघ्र होगा प्रारंभ

जिला पंचायत सीईओ ने विभिन्न विकास कार्यो का लिया जायजा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने नवीन स्वीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडियारास के नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया गया इस दौरान प्रमुख खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ धनीराम सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उन्होंने नवनिर्मित स्वास्थ्य केन्द्र भवन का अवलोकन करते हुए आगामी 15 दिवस में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडियारास का संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए उन्होंने भवन का अवलोकन करते हुए दिव्यांग शौचालय में रैंप लगाने,बायो मेडिकल बेस्ट के लिए निर्धारित स्ट्रक्चर बनाए जाने तथा परिसर में निर्मित स्टाफ क्वार्टर में संबंधित स्टाफ को शिफ्ट कराने के निर्देश दिए।

उप स्वास्थ्य केन्द्र केल्हौरी का सीईओ ने लिया जायजा

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने उप स्वास्थ्य केन्द्र केल्हौरी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया उन्होंने उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन के बाउंड्रीवाल,स्टाफ क्वार्टर के संबंध में स्वास्थ्य अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने भ्रमण के दौरान महिलाओं के प्रसूति के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया तथा मानक निर्देशानुसार आवश्यक सामग्री की

यथास्थान उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वृंदावन ग्राम केल्हौरी के समग्र विकास पर जिपं सीईओ ने बैठक कर की चर्चा

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने ग्राम पंचायत भवन केल्हौरी पहुंचकर भवन का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम पंचायत भवन में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान के लिए भवन निर्माण की मांग का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत सभागार में ग्राम पंचायत केल्हौरी को वृंदावन ग्राम के रूप में विकसित करने समग्र विकास कार्य योजना तैयार करने के संबंध में चर्चा की। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के तहत स्थानीय निवासियों को सोलर सिस्टम लगवाए जाने के लिए प्रोत्साहित करने तथा उन्हें योजना के अनुदान,लाभ आदि की जानकारी प्रदान करने के संबंध में ग्राम पंचायत सचिव को निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक शौचालय के निर्माण, पंचायत भवन में वाई-फाई सुविधा सिस्टम लगाने तथा पंचायत लर्निंग सेंटर के अनुसार व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत केल्हौरी के अंतर्गत स्व सहायता समूह को आजीविका आधारित गतिविधि के लिए प्रोत्साहित करने तथा ऐसे समूह को चिन्हित करने के निर्देश दिए उन्होंने नल,जल, प्रकाश आदि के स्व करारोपण के संबंध में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका विकसित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि ग्राम केल्हौरी में अनेक किसानों द्वारा गन्ने की खेती की जा रही है जिसके संबंध में जिला पंचायत सीईओ ने गन्ने से गुड बनाने की प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने वृंदावन ग्राम केल्हौरी के घरों में हार्वेस्टिंग वाटर सिस्टम लगवाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने निर्देश दिए। उन्होंने नाली, सड़क, स्वच्छता तथा एफएसटीपी के लिए स्थल चिन्हांकन के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत केल्हौरी मे बैठक के पश्चात बरगवां रोड पर स्थित शासकीय आरजी की 11 एकड़ भूमि में उद्यान आदि के विकास संबंधी कार्यों के संबंध में मौका निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए।

ग्राम करहीवाह में पीसीसी सड़क तथा बालिका शौचालय में जलापूर्ति व्यवस्था का जिपं सीईओ ने लिया जायजा

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने बुधवार को जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवार के ग्राम करहीवाह में प्राथमिक विद्यालय से जगमोहन कोल के घर तक 15वें वित्त मद से निर्मित कराई गई पीसीसी रोड लागत 9.35 लाख के कार्य का अवलोकन किया गया। उन्होंने शासकीय प्राथमिक विद्यालय करहीवाह मे शौचालय में उपलब्ध बोरवेल पेयजल व्यवस्था का जायजा लिया जहां विद्युत सप्लाई न होने से जलापूर्ति बाधित पाई गई। जिस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए जलापूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश ग्राम पंचायत के सचिव को दिए गए।

बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए पिंक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित

-शिविर में 114 ड्राइविंग लाइसेंस बनाए गए

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से संकल्प से समाधान अभियान तथा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत परिवहन विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से बालिकाओं और महिलाओं के लिए निःशुल्क पिंक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में आयोजित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को वाहन चलाने के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें विधिवत ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति, जिला पंचायत की मुख्य

कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी, जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग मंजूषा शर्मा सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर और संकल्प महाविद्यालय अनूपपुर की छात्राओं ने भी शिविर में सक्रिय सहभागिता निभाई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्चना कुमारी ने कहा कि पिंक ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित और आत्मविश्वास के साथ वाहन चलाने के लिए सक्षम बनाना है। इससे महिलाओं की गतिशीलता बढ़ेगी और वे शिक्षा, रोजगार और अन्य गतिविधियों में अधिक सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगी।शिविर के दौरान बालिकाओं को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही नियमों के पालन, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग और सुरक्षित वाहन संचालन संबंधी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक के रूप में भी सक्षम बनाती है। शिविर में 114 बालिकाओं/महिलाओं के ड्राइविंग लाइसेंस बनाए गए।

थाना अम्बाह के नगर निरीक्षक सतेंद्र कुशवाहा को विदाई दी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। नगर निरीक्षक सतेंद्र कुशवाहा के स्थानांतरण के उपरांत थाना परिसर अंबाह में राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ द्वारा उनका बिदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नगर निरीक्षक के योगदान और उनके उत्कृष्ट सेवा भाव को सराहा गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के प्रतिनिधियों ने नगर निरीक्षक सतेंद्र कुशवाहा को सम्मानित किया। जितेंद्र उपाध्याय जी महाराज ने उन्हें शॉल, श्रीफल और श्री राधा-कृष्ण की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित लोगों ने उनके कार्यकाल के दौरान किए गए प्रयासों और जनता के हित में उनके योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम में बताया गया कि नगर निरीक्षक सतेंद्र कुशवाहा ने अपने कार्यकाल में न केवल कानून-

व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान में भी तत्परता दिखाई। उनके प्रयासों से स्थानीय लोगों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई।

समारोह में नागरिकों और संगठन के पदाधिकारियों ने नगर निरीक्षक के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें उनके आगामी कार्यक्षेत्र में सफलता की शुभकामनाएं दी। ज्ञात रहे कि बीते रोज पुलिस अधीक्षक मुरैना द्वारा निकाली गई स्थानांतरण सूची में अंबाह के थाना प्रभारी सतेंद्र कुशवाहा का ट्रांसफर कैलारस कर दिया गया है एवं कैलारस के थाना प्रभारी वीरेश कुशवाहा का ट्रांसफर अंबाह कर दिया गया है अब अंबाह थाने की कमान वीरेश कुशवाहा संभालेंगे।

बोर्ड परीक्षा के उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन कार्य हेतु उत्कृष्ट उ.मा.वि. अनूपपुर परिसर मे 22 फरवरी से एक माह के लिए अनधिकृत प्रवेश प्रतिबंधित

-हर्षल पंचोली कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने जारी किया आदेश

अनूपपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा संचालित हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा 2026 की उत्तर पुस्तिकाओं के केन्द्रीय मूल्यांकन के लिए शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर को मूल्यांकन केन्द्र बनाया गया है। संस्था के प्राचार्य को मूल्यांकन केन्द्राधिकारी नियुक्त किया गया है। मूल्यांकन कार्य 22 फरवरी 2026 से प्रारंभ होकर लगभग एक माह तक चलेगा।

मूल्यांकन कार्य की गोपनीयता एवं शांति व्यवस्था

बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मूल्यांकन केंद्र शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर परिसर में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। आदेशानुसार 22 फरवरी 2026 से आगामी एक माह तक विद्यालय परिसर में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश एवं अनावश्यक जमावड़े पर प्रतिबंध रहेगा।उक्त आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व कैबिनेट मंत्री, अनूपपुर विधायक बिसाहू लाल सिंह के पत्र पर लिया संज्ञान, शीघ्र बनेगा अमरकंटक लोक

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री, अनूपपुर के विधायक बिसाहू लाल सिंह ने लिखे गए पत्र पर मध्य प्रदेश शासन ने बजट में अमरकंटक लोक बनाने का किया प्रावधान, बिसाहू लाल सिंह ने बताया कि अमरकंटक को नर्मदा लोक बनाने हेतु पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया गया था मुझे अत्यंत हर्ष है कि बजट 2026-27 में अमरकंटक को 'आध्यात्मिक राजधानी' के रूप में स्थापित करने और वहाँ की प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक बुनियादी ढांचा तैयार करने हेतु विशेष राशि आवंटित की गई है.!!

अम्बाह बायपास को डबल लेन बनाने की मांग को लेकर कार्यपालन यंत्री को दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अंबाह नगर में निर्माणाधीन नए बायपास मार्ग को

दोहरी सड़क (डबल लेन) के रूप में विकसित करने तथा करोली माता रोड पर सर्विस लाइन (कनेक्टिंग रोड) उपलब्ध कराने की मांग को लेकर गुरुवार को लोक निर्माण विभाग (राष्ट्रीय राजमार्ग) के कार्यपालन यंत्री ग्वालियर को ज्ञापन सौंपा गया।

भारतीय जनता पार्टी के जिला सह कार्यालय मंत्री अखिलेश शर्मा 'कल्ला' एवं अन्य नागरिकों ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि अंबाह में बन रहा नया बायपास मार्ग नगर की यातायात व्यवस्था और भविष्य की बढ़ती आवश्यकताओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। वर्तमान में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यदि मार्ग को एकल लेन में ही विकसित किया गया, तो आने वाले समय में यातायात दबाव बढ़ने से जाम और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहेगी। इसलिए प्रारंभ से ही इसे डबल लेन के रूप में तैयार किया जाना जनहित में आवश्यक है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि करोली माता रोड से बायपास को जोड़ने के लिए सर्विस लाइन (कनेक्टिंग रोड) की व्यवस्था नहीं है। इससे स्थानीय रहवासियों, दुकानदारों और मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सर्विस लाइन बनने से यातायात अधिक व्यवस्थित होगा और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।उन्होंने विभाग से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न न हो।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन में किशोरी गुप्ता जिला अध्यक्ष बनीं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की मध्यप्रदेश महिला इकाई द्वारा जिला मुरैना में नई नियुक्ति की घोषणा की गई है। अंबाह निवासी श्रीमती किशोरी गुप्ता को जिला अध्यक्ष (महिला) पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति प्रदेश महिला अध्यक्ष मंजरी जैन द्वारा प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गोयल, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश जैन, संभागीय प्रभारी रवि सेन जैन एवं संभागीय अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल की अनुशंसा पर की गई है। संगठन द्वारा जारी पत्र में बताया गया कि महासम्मेलन

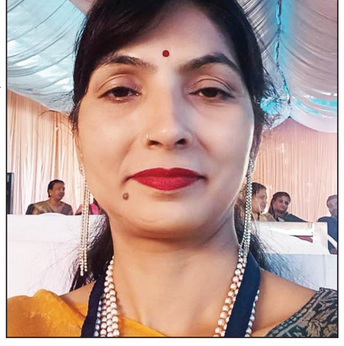

देश-विदेश में वैश्य समाज को संगठित करने, समाज के हितों की रक्षा करने और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत है। श्रीमती किशोरी गुप्ता की सामाजिक सक्रियता, संगठनात्मक क्षमता और समाज सेवा के प्रति समर्पण को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया गया है। संगठन ने उनसे अपेक्षा की है कि वे जिले में व्यापक जनसंपर्क स्थापित करते हुए महिला इकाई को सशक्त बनाएंगी तथा मंडल और जिला स्तर पर संगठन का विस्तार करेंगी। नियुक्ति पर वैश्य समाज के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है। संगठन ने विश्वास जताया है कि वे अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए महिलाओं को संगठित कर संगठन को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेंगी।

रात्रि कॉम्बिंग गश्त में रामनगर पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 06 स्थायी वारंट तामील

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान सर के आदेशानुसार दिनांक 18.02.2026 की रात्रि में थाना रामनगर पुलिस द्वारा कॉम्बिंग गश्त की गई। इस दौरान न्यायालय से जारी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 6 स्थायी गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए।

तामील किए गए स्थायी वारंटी इस प्रकार हैं —

1. प्रकरण क्रमांक 664/22, अपराध क्रमांक 442/22 वारंटी सतीश कुमार चोटेल, पिता दयाराम चोटेल, उम्र 29 वर्ष, निवासी शांति नगर, थाना रामनगर धारा 25(2) आर्म्स एक्ट के प्रकरण में वारंट तामील किया गया।

2. प्रकरण क्रमांक 261/23, अपराध क्रमांक 150/23 वारंटी संजू पनिका, पिता स्व. रोहित पनिका, उम्र 30 वर्ष, निवासी शांति नगर, थाना रामनगर धारा 294, 323, 506 भा.दं.सं. के

प्रकरण में वारंट तामील किया गया।

3. प्रकरण क्रमांक 1066/22, अपराध क्रमांक 389/22 वारंटी राजू सिंह, पिता अजीत सिंह, उम्र 28 वर्ष, निवासी सेमरा। धारा 34(1) आबकारी एक्ट के प्रकरण में वारंट तामील किया गया। 4. प्रकरण क्रमांक 477/21, अपराध क्रमांक 234/21 वारंटी चंद्रमा ठाकुर, पिता शत्रुघ्न ठाकुर, उम्र 43 वर्ष, निवासी चर्च के पास, थाना रामनगर धारा 323, 506, 34 भा.दं.सं. के प्रकरण में आरोपी के मृत होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर वारंट तामील कराया गया।

5. प्रकरण क्रमांक 2867/18 आरोपी सुरेंद्र ससमल, पिता कृष्ण ससमल, निवासी पौराधार, थाना रामनगर धारा 138 एनआई एक्ट के प्रकरण में वसूली राशि न्यायालय में जमा कराकर वारंट तामील कराया गया। 6. प्रकरण क्रमांक 818/22, अपराध क्रमांक 414/22 वारंटी मोनू बंसल, पिता गिरिया बंसल, उम्र 22 वर्ष, निवासी थाना रामनगर धारा 294, 323, 506, 34 भा.दं.सं. के प्रकरण में वारंट तामील किया गया।

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत वारंटियों की गिरफ्तारी और लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में योजना क्रियान्वयन करें और शत प्रतिशत उपलब्धि करें सुनिश्चित बनाएं : मुख्य सचिव जैन

कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में की शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

भोपाल। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य के विकास कार्यों को प्रमुखता दे। मुख्य सचिव श्री जैन ने मंत्रालय में कलेक्टर- कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उक्त निर्देश दिये। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि केंद्र प्रवर्तित योजनाओं और निर्माण कार्यों को समय अवधि में पूर्ण करें। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में योजना बनाकर क्रियान्वयन में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल किया जाना सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव श्री जैन ने ग्रामीण विकास एवं जनजातीय कार्य की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना में चयनित गांवों को बुनियादी सुविधाओं, गौपालन और डेयरी विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर और 'आदर्श ग्राम' के रूप में विकसित करने के लिए 31 मार्च तक विजन डॉक्यूमेंट को पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा में उन्होंने पंचायत स्तर पर नए राजस्व स्रोतों को विकसित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव श्री जैन ने जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजना की समीक्षा करते हुए रीवा, सिंगरौली, मऊगंज, सीधी, मुरैना और भिंड कलेक्टर्स को कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। जिला पंचायत और जनपद पंचायत के नवीन स्वीकृत भवनों के लिए निवाड़ी, पांढुर्ना, नीमच, बैतूल, हरदा, अशोकनगर, ग्वालियर, शिवपुरी और भिंड को शीघ्रता से भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य ऐसे क्षेत्र है जो समाज के भविष्य को प्रभावित करते है। प्रदेश और समाज के विकास के लिए इन दोनों क्षेत्र में काम करना आवश्यक है। शिक्षा विभाग की योजनाओं की जिलों में क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव श्री जैन ने नवीन सत्र में नामांकन बढ़ाने और ड्राप आउट को जीरो करने पर जोर दिया। उन्होंने शाला के बाहर के चिन्हांकित बच्चों में से एजुकेशन पोर्टल 3.0 में दर्ज विद्यार्थियों के प्रोफाइल प्रतिशत बढ़ाने पर जबलपुर संभाग और पन्ना एवं बालाघाट जिले की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनगणना का कार्य प्रदेश में किया जाना है, इसलिए जनगणना कार्य की अवधि को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक सत्र संचालित करें ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि बच्चों का एलिमेंट्री प्री स्कूल एजुकेशन सबसे महत्वपूर्ण है। यही पढ़ाई उनके आईक्यू में परिलक्षित होती है, इसलिए आगनबाड़ी में 3-6 वर्ष के बच्चों के पंजीयन को बढ़ाये। गाँव में जाकर सैंपलिंग चेकिंग करें पालकों से वन टू वन चर्चा करे। इसके लिए अपने जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला बाल विकास के अधिकारियों के समन्वय से कार्य कराये।

मुख्य सचिव श्री जैन ने 8 मार्च, महिला दिवस तक सभी शासकीय शालाओं में बालिका शौचालय के निर्माण को पूर्ण करने के लिए विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये।

विधानसभा घेराव में ग्वालियर कांग्रेसजनों की ऐतिहासिक उपस्थिति होगी: अध्यक्ष यादव

ग्वालियर। जवाहर चौक भोपाल में 24 फरवरी को होने वाले कांग्रेस के विधानसभा घेराव में ग्वालियर से कांग्रेसजनों की ऐतिहासिक संख्या में उपस्थिति रहेगी। यह बात गुरूवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने कांग्रेस भवन में ब्लॉक अध्यक्षों एवं ब्लॉक प्रभारियों की महत्वपूर्ण और रणनीतिक बैठक में कही।

शहर अध्यक्ष यादव ने कहा कि विधानसभा घेराव में कांग्रेसजनों की भागीदारी के लिए 15 ग्वालियर विधानसभा में राजू भदौरिया, 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा में राकेश अग्रवाल एवं 17 ग्वालियर दक्षिण विधानसभा में विजय कुशवाह को प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारें लगातार किसान, मजदूर, युवा और गरीब विरोधी फैसले लेकर जनता की कमर तोड़ने में लगी हैं। भाजपा सरकार जनता की आवाज दबाने का काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता अन्याय के सामने झुकने वाला नहीं है। श्री यादव ने कहा कि 20 फरवरी को ब्लॉक स्तर पर शाम 4 बजे पुतला दहन कर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में संगठन महामंत्री इब्राहिम पठान, जेएच जाफरी, रामनरेश परमार, ब्लॉक अध्यक्ष संदीप यादव, राजेश खान, मुनेन्द्र सिंह भदौरिया, श्रीमती रेखा जाटव, अनूप शिवहरे, विनोद कुमार जैन, अंसार खान, राजेश तोमर, श्रीमती सुनीता तोमर, भूपेन्द्र तोमर, सुग्रीव सिंह, जसवंत शेजवार, वीरेन्द्र सिंह यादव, विजय शर्मा, भानू कौशिक, बुंदू खान, रामबाबू श्रीवास, संजय शर्मा, कल्लू तोमर आदि उपस्थित थे।

निगमायुक्त ने किया वार्ड 63 एवं 64 में निरीक्षण

ग्वालियर। गुरूवार सुबह अचानक निगमायुक्त संघ प्रिय भ्रमण पर निकले। निगमायुक्त ने वार्ड क्रमांक 63 एवं 64 के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यों को देखा। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री संजीव गुप्ता, उपायुक्त रजनीश गुप्ता, उपयंत्री अजय शर्मा, क्षेत्राधिकारी श्रीमती शिल्पा दिनकर, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी विवेक त्यागी उपस्थित थे।

गुरूवार को निगम आयुक्त संघ प्रिय ने ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 63 एवं 64 में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने आईएसबीटी बस स्टेण्ड के पीछे चेम्बर क्षतिग्रस्त होने से ओवरफ्लो हो रहे पानी के स्थान को देखा तथा उक्त समस्या के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके बाद ट्रांसपोर्ट नगर में चल रहे सीसी सडक निर्माण कार्य को देखा एवं ट्रांसपोर्ट नगर में जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही कटारिया ट्रांसपोर्ट के पास नाला चौक होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों को नाले की सफाई के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही जगह जगह गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त की तथा उन्होंने निर्देशित किया कि मुख्य मार्गों पर सफाई प्रतिदिन समय पर की जाए।

विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट: फाइनल मैच सम्पत्तिकर और जीएडी भंडार के बीच आज

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा आयोजित अंतर विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरूवार को पहला सेमीफाइनल मैच स्वास्थ्य विभाग और जीएडी भंडार के मध्य हुआ। जीएडी की टीम के बल्लेबाज भीमा गुर्जर की धमाकेदार 41 रनों की पारी से टीम ने 94 रन का विशाल स्कोर स्वास्थ्य विभाग को दिया। रोमांचक मुकाबला में स्वास्थ्य विभाग की टीम संघर्ष करते हुए हार गई और जीएडी भंडार की टीम ने फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच सम्पत्तिकर व विद्युत के मध्य रहा जिसमें विद्युत की पूरी टीम कुछ ही ओवर खेल कर ऑल आउट होकर मात्र 29 रन बनाये। जिसे सम्पत्तिकर की टीम ने आसानी से जीतकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। इस मैच के मैन ऑफ द मैच वीरेन्द्र पाराशर रहे। जिन्होंने 2 ओवर में मात्र 4 रन देकर 4 विकेट लिए। फाइनल मैच सम्पत्तिकर और जीएडी भंडार के बीच आज 20 फरवरी को खेला जाएगा। टूर्नामेंट का आयोजन अधिकारी बीके त्यागी के निर्देशन में किया जा रहा है। इस दौरान सहायक खेल अधिकारी जितेन्द्र यादव, नमन कौरव एवं अयोध्या शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण सत्र होगा

ग्वालियर। ग्वालियर चंबल संभाग में पदस्थ शासकीय लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण शाला में 1 अप्रैल से लेखा प्रशिक्षण सत्र शुरू होने जा रहा है। यह लेखा प्रशिक्षण सत्र चंद्रवदनी नाका के समीप स्थित न्यू राजस्व भवन में संचालित शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला में आयोजित होगा। इसके लिए लिपिक वर्गीय कर्मचारी निर्धारित प्रारूप में 15 मार्च तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन पत्र के प्रारूप लेखा प्रशिक्षण शाला से प्राप्त किए जा सकते हैं। यहीं से विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है।

महाराज बाड़ा क्षेत्र से हटाया अस्थाई अतिक्रमण

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले ने गुरूवार को सुगम यातायात के लिए शहर के विभिन्न स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटाया। मदाखलत अधिकारी रवि कोरी ने बताया कि नोडल अधिकारी केशव सिंह चौहान के निर्देशन में दक्षिण विधानसभा अंतर्गत नजरबाग मार्केट, सुभाष मार्केट, टाउन हॉल एवं टोपी बाजार पर यातायात अवरुद्ध कर रहे हाथ ठेले एवं फुटपाथियों को हटाकर सामान जप्ती की कार्रवाई की है। कार्रवाई में मदाखलत निरीक्षक विशाल जाटव एवं दक्षिण विधानसभा अमला उपस्थित रहा।

सोशल मीडिया एंड ह्यूमन लाइफपर राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में 20 एवं 21 फरवरी को 'सोशल मीडिया एंड ह्यूमन लाइफ' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी का आयोजन सेंटर फॉर स्टडीज इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम-उषा (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के गालव सभागार में संपन्न होगा। कार्यक्रम में सोशल मीडिया और समाज, युवाओं पर प्रभाव, नैतिक चुनौतियां, फेक न्यूज, डिजिटल जिम्मेदारी तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे समकालीन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। संगोष्ठी के संरक्षक कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य हैं, जबकि कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा कन्वीनर की भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रो. एस.एन. महापात्रा ने अधिक से अधिक शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों से सहभागिता का आह्वान किया।

आबकारी नीति-2026-27 को लेकर कैबिनेट ने लिए निर्णय

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
भोपाल। आबकारी नीति 2026-27 को लेकर कैबिनेट की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें अनेक निर्णय लिए गए। इन निर्णयों में

1. मदिरा दुकानों के नर्मदा के तट से 5 किलोमीटर की दूरी के प्रतिबन्ध एवं पवित्र नगरों में मदिरा दुकानों के प्रतिबंध को यथावत रखा गया है।
2. कोई भी नवीन मदिरा दुकान नहीं खोली जायेगी।
3. मदिरा दुकानों के अहाते यथावत बंद रहेंगे।
4. मदिरा दुकानों के नवीनीकरण का विकल्प समाप्त।
5. समस्त मदिरा दुकानों का निष्पादन ई-टेंडर के माध्यम से किया जाएगा।
6. मदिरा दुकानों के वर्तमान वर्ष के मूल्यन में 20 प्रतिशत की वृद्धि।
7. मदिरा दुकानों का निष्पावदन अधिकतम 05 मदिरा दुकानों के समूह में किया जायेगा।
8.मदिरा की ड्यूटी दरें, विनिर्माण इकाई, बार आदि की लाइसेंस फीस यथावत रखी है।
9. जालसाजी की आशंकाओं को समाप्तप करने के लिए प्रतिभूति राशि के रूप में सिर्फ ई-चालान /ई-बैंक गारंटी ही मान्यप की जाएगी। साधारण बैंक गारंटी एवं सावधि जमा (FD) मान्य नहीं होगी।
10. निर्यात प्रोत्साहन एवं ईज ऑफ डूइंग बिज़नस को दृष्टिगत रखते हुए निम्नानुसार प्रावधान किये गए हैं :-

I. मदिरा के विनिर्माताओं को पूर्व वर्षों की तरह अपने उत्पाद की कीमत के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं है, वो पोर्टल पर निर्धारित व्यवस्था अनुसार अपने उत्पाद की कीमत घोषित कर सकेंगे।
II. देश के वाहर मदिरा के निर्यात को प्रोत्साहन देने लिए फीस में संशोधन, लेबल पंजीयन में सरलीकरण आदि प्रावधानित किया गया है।
III. प्रदेश के आदिवासियों स्व-सहायता समूहों के द्वारा महुआ से निर्मित मदिरा को अन्य राज्यों में ड्यूटी मुक्त कराने के लिए उनके राज्यों की हेरिटेज अथवा विशेष मदिरा को प्रदेश में ड्यूटी फ्री करने के प्रावधान किया गया।

एजुकेशन मैनेजमेंट सिस्टम से कक्षा 9वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र, परिणाम और अंक सूची होगी तैयार

स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण पहल, शिक्षण सत्र 2025-26 से शुरू होगी व्यवस्था

भोपाल। मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग ने परीक्षा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग ने एजुकेशन मैनेजमेंट सिस्टम (श्वरूस्) पोर्टल विकसित किया है। इस पोर्टल के माध्यम से कक्षा 9वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र, परिणाम और अंक सूची तैयार की जाएगी। विभाग द्वारा यह व्यवस्था शिक्षण सत्र 2025-26 से ही शुरू की जाएगी। विभाग ने इसकी तैयारी भी पूरी कर ली है। नई व्यवस्था के शुरू होने से वार्षिक परीक्षाओं की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध हो सकेगी। साथ ही परीक्षा संबंधी कार्यों में समय की बचत के साथ प्रशासनिक दक्षता भी बढ़ेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विकसित श्वरूस् पोर्टल के माध्यम से सभी विद्यार्थियों के लिए यूनिक रोल नंबर जनरेट किए जाएंगे, जिसके आधार पर परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। वार्षिक परीक्षा परिणाम भी पोर्टल पर ही तैयार किए जाएंगे तथा विद्यार्थियों की अंकसूचियां सीधे प्रिंट की जा सकेंगी।

इस प्रक्रिया के माध्यम से राज्य, संभाग एवं जिला स्तर पर परीक्षा परिणामों का त्वरित विश्लेषण किया जा सकेगा। साथ ही पोर्टल के माध्यम से द्वितीय परीक्षा की कार्यवाही भी की जा सकेगी। स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल परीक्षा प्रणाली के डिजिटलीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इससे विद्यार्थियों एवं विद्यालयों दोनों को सुविधा मिलेगी।

52वाँ अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह शुक्रवार से, 7 दिन शास्त्रीय शैलियों के नृत्य एवं संवाद का होगा समागम

भोपाल। विश्वविख्यात मंदिर की पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला 52वां अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह इस वर्ष भी भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध शैलियों का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा। इस 7 दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव में देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। समारोह में भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम जैसी प्रमुख शास्त्रीय शैलियों की प्रस्तुति दी जाएगी। प्राचीन मंदिरों की भव्यता और प्रकाश सज्जा के बीच कलाकारों की अभिव्यक्ति भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को जीवंत करेगी। हर वर्ष की तरह इस बार भी देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक और कलारसिक शामिल होंगे। यह समारोह न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, बल्कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य की वैश्विक पहचान को भी सशक्त करता है।संस्कृति विभाग की उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर एवं जिला प्रशासन - छतरपुर के सहयोग से '52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह' 20 से 26 फरवरी, 2026 तक मंदिर परिसर, खजुराहो में आयोजित किया जा रहा है। इस 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आयोजन में देश के सुप्रतिष्ठित एवं उदीयमान नर्तक - नृत्यांगनाएं अपनी साधनारत प्रस्तुतियों से भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध परम्पराओं को मंच पर साकार करेंगी। साथ ही इस समारोह को सांस्कृतिक समागम बनाने की दृष्टि से विविध कला विधाओं से सम्बंधित गतिविधियों को आयोजित किया जा रहा है, ताकि यह समारोह भव्य और स्मरणीय बन सके।

'नटराज' थीम : नृत्य, लय और सृजन का प्रतीक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन अनुसार इस वर्ष खजुराहो नृत्य समारोह को शास्त्रीय नृत्य की प्रेरणा और आधार 'नटराज' की थीम पर केंद्रित किया गया है। यह थीम भारतीय दर्शन, सृजन और लयबद्ध जीवन दृष्टि का प्रतीक है, जो समारोह को एक गहन आध्यात्मिक आयाम प्रदान करेगा। पद्म पुरस्कार प्राप्त, संगीत नाटक अकादमी सम्मानित एवं राष्ट्रीय - राज्य स्तरीय अलंकरणों से विभूषित कलाकारों के साथ उदीयमान प्रतिभाओं को समान मंच प्रदान किया जा रहा है, जिससे नृत्य की गुरु - शिष्य परम्परा और निरंतर एवं सुदृढ़ हो सके। समारोह में कथक की 6, भरतनाट्यम की 4, ओडिसी की 5, मणिपुरी की 2, कथकली की 1, कुचिपुड़ी की 2, मोहिनीअट्टम की 1, सत्रिया की 1 एवं छाऊ नृत्य की 1 प्रस्तुतियाँ होंगी।

52वें खजुराहो नृत्य समारोह में प्रथम बार सांस्कृतिक रैली में विभिन्न विधाओं एवं परंपराओं के नृत्य कलाकार खजुराहो के विभिन्न मार्गों से होते हुए मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। महोत्सव में देश के 10 से 16 वर्ष आयु वर्ग के युवा शास्त्रीय नृत्य कलाकारों को सहभागिता के लिए एक राष्ट्रीय मंच 'राष्ट्रीय बाल नृत्य महोत्सव - 2026' प्रदान किया जा रहा है। प्रस्तुति देने के लिए वरिष्ठ कला गुरुओं द्वारा 31 नृत्य कलाकारों का चयन किया गया है।

पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों के लिए खजुराहो नृत्य समारोह के दौरान आनुषंगिक गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इसमें खजुराहो कार्निवाल, 'नटराज' प्रदर्शनी में 50 नृत्यरूपों का प्रदर्शन, लयशाला : नृत्य शैलियों के श्रेष्ठ गुरुओं एवं शिष्यों का संगम, कलावार्ता : कलाविदों एवं कलाकारों के मध्य संवाद, आर्ट - मार्ट : चित्रकला प्रदर्शनी, सृजन : पारम्परिक शिल्प निर्माण तकनीक का प्रदर्शन, हुनर : पारम्परिक शिल्पों का प्रदर्शन सह विक्रय और स्वाद : देशज व्यंजन प्रमुख आकर्ष होंगे।

खजुराहो पर्यटन की दृष्टि से आकर्षक एवं लोकप्रिय स्थल है। खजुराहो नृत्य समारोह के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। विगत वर्षों में भी पर्यटन गतिविधियों ने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। इस वर्ष विशेष रूप से घुमन्तू समुदायों के साथ गाँवों की सैर, एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम (कैम्पिंग गतिविधि), नेचर वॉक, खजुराहो विलेज टूर, ई - बाइक टूर, वॉटर स्पोर्ट्स, हॉट एयर बैलून एवं फेम टूर जैसी रोमांचकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

निगम परिषद की बैठक आज

ग्वालियर। नगर निगम परिषद का विशेष अभियाचित सम्मेलन का आयोजन सोमवार 20 फरवरी को दोपहर 3 बजे से सभापति मनोज सिंह तोमर की अध्यक्षता में जल विहार परिषद सभागार में आयोजित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता सेनानी श्री गोखले को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री गोखले ने शिक्षा और कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भरता को विकास के लिए आवश्यक बताया और युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए सदैव प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी श्री गोखले के ओजस्वी विचार हमेशा देशवासियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर में संध्या और शयन आरती की बुकिंग पूरी तरह हुई ऑनलाइन

भोपाल। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में दर्शन व्यवस्था को और अधिक सुगम, पारदर्शी और बेहतर बनाने के लिए मंदिर प्रबंध समिति ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उज्जैन में डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया का विस्तार करते हुए, समिति ने बाबा महाकाल की 'संध्या आरती' और 'शयन आरती' की बुकिंग प्रक्रिया को पूरी तरह से ऑनलाइन करने का निर्णय लिया है। अब देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु घर बैठे ही आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आरती में शामिल होने के लिये अपना स्थान सुनिश्चित कर सकेंगे। श्रद्धालु श्री महाकालेश्वर मंदिर की अधिकृत वेबसाइट https□//www.shrimahakaleshwar.mp.gov.in/ के माध्यम से ही बुकिंग कर सकते हैं।

संध्या आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रतिदिन दोपहर 12:00 बजे से शुरू होगी और शयन आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से की जा सकेगी। दोनों ही आरतियों के लिए प्रति श्रद्धालु 250 रूपये का शुल्क (शीघ्र दर्शन के समान) निर्धारित किया गया है। बुकिंग की यह प्रक्रिया पूर्णतः 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर संचालित होगी।

उठावनी
अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि
नवल सागर की पूज्यनीय माताजी
श्रीमती मधु सागर जी
स्वर्गवास दिनांक 17.02.2026, मंगलवार को हो गया है। जिनकी

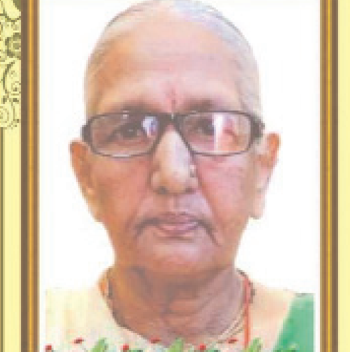

उठावनी
आज, दिनांक 20.02.2026, शुक्रवार को समय- 2.00 से 4.00 बजे तक
स्थानः निज निवास छत्री का पुरा वार्ड क्र. 28, मुरैना पर रखी गई है।
शोकाकुल परिवार : नवल सागर, कपिल, मानव (पुत्रगण), अजय सागर, विजय सागर, अजीत सागर (भाई), रवि कारखुर (A.R.I.), नरेश कारखुर, उत्तमसिंह, शरद, योगेश, अवधेश, गौतम, डॉ. विलियम, डॉ. अनुज, डॉ. जॉन, डॉ. सतवीर, ब्रजेश, आशीष, सदानन्द, दयानन्द, संदीप (एडवोकेट), गोविन्दा, अभय, तनुज, शिवा, सान्याल, माधव, कबीर, अरायना, अमायरा (भतीजे), दिव्यांश, मोक्ष्य, जियाना, शिवांश, वीर (भान्जे)
फर्म : भगवती पैलेस नन्देपुरा रोड, मुरैना • ग्रीन एप्पल रिसॉर्ट, विजेता मार्केट, नन्देपुरा रोड, मुरैना
मोबा. 9893601017, 9399354412

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मैं. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं प्रकाशित, आरएनआई नं. MPHIN/2003/09780
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, प्रबंध संपादक विकास शिवहरे 9770080488, सहायक संपादक गोपाल सिकरवार 9826949508, महाप्रबंधक श्याम शिवहरे सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरैना न्यायालय होगा।